CMYK

इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

"यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति"।।

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दावा

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 233 | राजनांदगांव, शनिवार 11 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

स्वस्तिक ऑफसेट & स्क्रीन प्रिंट
उत्कृष्ट एवं कलात्मक छपाई हेतु...
पता : बल्देव बाग, राजनांदगांव मो. 93004-14726

पार्टी फंड के नाम पर रामगोपाल ने 800 करोड़ जुटाए: ईओडब्ल्यू का दावा- हवाला से दिल्ली भेजी गई रकम, 8 राज्यों में फरारी काटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में गिरफ्तार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल पर जांच एजेंसी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का दावा है कि पार्टी फंड के नाम पर करीब 800 करोड़ रुपए जुटाए गए।

एजेंसी का यह भी दावा है कि इस फंड की एंट्री और उसका मैनेजमेंट रामगोपाल अग्रवाल के जरिए किया जाता था। ईओडब्ल्यू के मुताबिक, यह रकम बोरी और कार्टन में भरकर कांग्रेस भवन लाई जाती थी, जिसके बाद हवाला नेटवर्क के जरिए दिल्ली भेजी जाती थी। जांच में यह भी सामने आया कि रायपुर छोड़ने के बाद वे ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना समेत 8 राज्यों में रहे। इस दौरान उन्होंने पुरी, वाराणसी और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों पर दर्शन किए और विशेष पूजा भी कराई।

कांग्रेस भवन पहुंचती थी कथित घोटाले की रकम

ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में पेश दस्तावेजों में दावा किया है कि कांग्रेस के अकाउंटेंट और रामगोपाल अग्रवाल के निजी सहायक देवेंद्र डड़सेना ने अपने बयान में कहा कि कथित कोल लेवी घोटाले की राशि कांग्रेस भवन पहुंचती थी। वहां से इस राशि का नियंत्रण रामगोपाल अग्रवाल के पास रहता था।

जांच एजेंसी के अनुसार, कोल लेवी से 52 करोड़ 62 लाख 20 हजार रुपए सीधे रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचे। ईओडब्ल्यू का दावा है कि इस रकम को लेने, संभालने और इस्तेमाल करने का काम रामगोपाल अग्रवाल ने किया।

कारोबारियों ने पैसा देने की बात बयान में स्वीकारी

जांच एजेंसी के अनुसार, भिलाई के कारोबारी लक्ष्मीनारायण बंसल उर्फ पप्पू ने बयान में कहा कि दीपेन चावड़ा के माध्यम से करीब 800 करोड़ रुपए कांग्रेस भवन भेजे गए। वहीं, निखिल चंद्राकर ने भी अपने बयान में कोल लेवी की रकम रामगोपाल अग्रवाल तक पहुंचने की बात स्वीकार की है।

8 राज्यों में रहे, मंदिरों में कराई पूजा

शुरुआती पूछताछ में रामगोपाल अग्रवाल ने बताया कि रायपुर छोड़ने के बाद वे ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, राजस्थान, मध्यप्रदेश और दिल्ली समेत 8 राज्यों में रहे। इस दौरान उन्होंने पुरी, वाराणसी और प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों पर दर्शन किए और विशेष पूजा भी कराई। जांच एजेंसी का कहना है कि फरारी के दौरान भी वे परिवार, कुछ नेताओं और कारोबारियों के संपर्क में बने रहे।

आयकर छापे से खुला मामला

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, 30 जून 2022 को कोल कारोबारी सूर्यकांत तिवारी और उसके सिंडिकेट पर आयकर विभाग की छापेमारी में बरामद डायरी और दस्तावेजों से अवैध कोल लेवी के लेन-देन का खुलासा हुआ था। इन्हीं दस्तावेजों में रामगोपाल अग्रवाल का नाम सामने आया। बाद में ईडी की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। हालांकि, 8 जुलाई 2026 उन्होंने सरेंडर कर दिया। 9 जुलाई को उन्हें स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया।

17 जुलाई तक रिमांड, आगे और गिरफ्तारी संभव

ईओडब्ल्यू ने 14 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन स्पेशल कोर्ट ने 9 दिन की रिमांड मंजूर कर ली। अब रामगोपाल अग्रवाल को 17 जुलाई को दोबारा कोर्ट में पेश किया जाएगा। बताया जा रहा कि पूछताछ के बाद कस्टम मिलिंग, डीएमएफ और शराब घोटाले से जुड़े मामलों में भी उनकी गिरफ्तारी हो सकती है। वहीं, ईडी भी इस मामले में आगे अलग कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

ममता की बढ़ी टेंशन: 15 बैंक खातों पर लगा ताला, 1000 करोड़ फ्रीज होने के बाद कोलकाता हाईकोर्ट नई याचिका दायर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के बैंक खातों को लेकर कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। ईडी की ओर से फ्रीज किए गए तीन बैंक खातों के खिलाफ पार्टी के एक गुट ने कलकत्ता हाईकोर्ट में नई याचिका दायर की है। इन तीन खातों में करीब 440 करोड़ रुपये जमा बताए जा रहे हैं। याचिका पर अब 13 जुलाई को सुनवाई होगी। यह मामला राज्य पुलिस और ईडी की अलग-अलग जांच से जुड़ा है। सबसे पहले राज्य पुलिस के निर्देश पर निजी बैंक में मौजूद इन खातों से पैसे निकालने पर रोक लगाई गई थी। इसके बाद ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत इन खातों को पूरी तरह फ्रीज कर दिया। इसके बाद मामला फिर हाईकोर्ट पहुंच गया।

पहले मिली थी सीमित राहत

इससे पहले ममता बनर्जी राज्य पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची थी। इसके बाद कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता गुट को इन खातों के इस्तेमाल की सीमित और सशर्त अनुमति दी थी। लेकिन अदालत के इस आदेश के कुछ ही समय बाद ईडी ने तीनों खातों को फ्रीज कर दिया। इससे मामला फिर उलझ गया। ईडी की कार्रवाई के बाद संबंधित गुट ने जस्टिस कृष्ण राव की एकल पीठ में नई याचिका दायर की। अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को होगी। माना जा रहा है कि सुनवाई में यह साफ हो सकता है कि खातों पर लगी रोक जारी रहेगी या कुछ राहत मिलेगी।

12 और खातों पर भी लगी रोक

इस बीच तृणमूल कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। शुक्रवार को पश्चिम बंगाल पुलिस के निर्देश पर विभिन्न सरकारी और निजी बैंकों में मौजूद पार्टी के 12 अन्य बैंक खातों से भी पैसे निकालने पर रोक लगा दी गई। सूत्रों के मुताबिक, इन 12 खातों में 550 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जमा है। पहले से फ्रीज तीन खातों को जोड़ दें तो अब कुल 15 बैंक खाते जांच के दायरे में आ चुके हैं। इनमें जमा राशि करीब 1,000 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब सभी की नजर 13 जुलाई को होने वाली सुनवाई पर है। अदालत के फैसले से यह तय होगा कि तीन बैंक खातों पर लगी ईडी की रोक बरकरार रहेगी या याचिकाकर्ता गुट को कोई राहत मिलेगी।

बांग्लादेश लौटेंगी शेख हसीना: गिरफ्तारी-मौत के खतरे के बीच पूर्व पीएम का बड़ा ऐलान, कहा- अपनी मिट्टी में ही मरना है

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक चौंकाने वाला ऐलान किया है। 78 वर्षीय हसीना ने कहा है कि वह दिसंबर के आसपास स्वेच्छा से बांग्लादेश वापस लौटेंगी। अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल होकर उन्हें देश छोड़ना पड़ा था और तब से वे भारत में रह रही हैं।

गिरफ्तारी और मौत का है खतरा

शेख हसीना ने स्पष्ट किया है कि उनकी वापसी का रास्ता बेहद कठिन है। उन्होंने कहा, मेरे वापस लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, शायद मेरी हत्या भी कर सकते हैं, लेकिन मुझे लौटना ही होगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के साथ उनकी वापसी को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। हसीना ने अपनी वापसी के पीछे का कारण बताते हुए कहा कि उनके पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जबरदस्त दमन का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, अगर मौत आनी है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी मिट्टी पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहाया गया था। शेख हसीना की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। उन पर आरोप (शेष पृष्ठ 6 पर...)

स्पेन के जंगलों में लगी भीषण आग से 12 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिणी स्पेन के अंडालूसिया क्षेत्र में जंगलों में लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई है। इस विनाशकारी आग की चपेट में आने से अब तक 12 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 19 लोग अब भी लापता हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अब तक करीब 600 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। हवा की बदलती दिशा और प्रतिकूल मौसम के बीच दमकल विभाग का गहन अग्निशमन और रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

अंडालूसिया की क्षेत्रीय सरकार ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि लॉस गैलार्डोस नगरपालिका में लगी इस आग के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। यह भीषण आग वर्तमान में स्पेन के अल्मेरिया प्रांत के लॉस गैलार्डोस, बेदार और अंतास नगरपालिकाओं को मुख्य रूप से प्रभावित कर रही है। जैसे-जैसे आग की लपटें रिहायशी इलाकों की तरफ बढ़ रही हैं और हवा में दम घोंटने वाला धुआं फैल रहा है, वैसे-वैसे लॉस गैलार्डोस के आसपास के ग्रामीण इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल है। घबराए हुए निवासी अपनी जान (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया से न्यूजीलैंड पहुंचे: दोनों देश एफटीए डील फाइनल करेंगे, ऑकलैंड में 40 हजार भारतीयों को संबोधित करेंगे

ऑकलैंड। पीएम मोदी अपने छह दिवसीय दौरे के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंच गए। यह 40 साल बाद किसी भारतीय पीएम की न्यूजीलैंड यात्रा है। इससे पहले 1986 में राजीव गांधी न्यूजीलैंड के दौरे पर गए थे। पीएम के दौरे की शुरुआत न्यूजीलैंड सरकार के साथ द्विपक्षीय बातचीत से शुरू होगी। इस दौरान दोनों देश FTA समझौते को फाइनल करेंगे। साथ ही पीएम एक बिजनेस इवेंट और फिर एक स्पोर्टिंग इवेंट में शामिल होंगे। इसके बाद पीएम ऑकलैंड में 40 हजार भारतीयों को भी संबोधित करेंगे। पीएम के स्वागत के लिए भारतीय समुदाय ने 'किया ओरा मोदी' कार्यक्रम का आयोजन किया है।

मोदी बोले-ऑस्ट्रेलियाई टी-20 लीग का ओपनिंग मैच भारत में होगा

ऑस्ट्रेलिया की टी-20 लीग बिग बैश लीग (BBL) का ओपनिंग मैच भारत में खेला जाएगा। मुकाबला चैन्नई के चेपॉक स्टेडियम में 12 दिसंबर को होगा। यह पहली बार होगा, जब किसी विदेशी क्रिकेट लीग का मैच भारत में होगा। पीएम मोदी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के तीसरे और आखिरी दिन मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ भी मौजूद रहे। पीएम इंडोनेशिया और आस्ट्रेलिया दौरे के बाद न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो गए हैं। वे न्यूजीलैंड सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इसके बाद 40 हजार भारतीयों को संबोधित करेंगे। बीबीएल के 15 साल के इतिहास में यह पहली बार होगा, जब लीग का कोई मैच ऑस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इसे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी पहुंच बढ़ाने और लीग को वैश्विक पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम मान रही है।

महादेव ऐप केस में बड़ा खुलासा! हर महीने 450 करोड़ की कमाई, ईडी ने 940 करोड़ की संपत्ति किया जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप और उससे जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत आरोपी विकास गर्ग और उनके परिवार से जुड़ी संस्थाओं की करीब 940.77 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां अटैच (जब्त) की हैं। एजेंसी का दावा है कि ये संपत्तियां अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से अर्जित धन से खरीदी गई थीं।

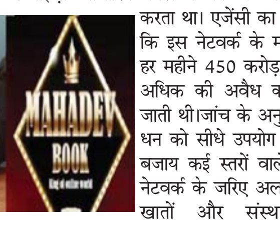

रिहायशी संपत्तियों से लेकर शेयर तक जब्त

ईडी की कार्रवाई के तहत जिन संपत्तियों को जब्त किया गया है, उनमें रिहायशी मकान, जमीन, इक्विटी शेयर, सिक्योरिटीज और अन्य निवेश शामिल हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, इन संपत्तियों का स्वामित्व या नियंत्रण विकास गर्ग और उनके परिवार से जुड़ी संस्थाओं के पास था। ईडी की जांच में सामने आया है कि महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से जुड़ा सट्टेबाजी सिंडिकेट विदेश से संचालित फ्रेंचाइज़ी आधारित पैनल नेटवर्क के जरिए काम करता था। एजेंसी का आरोप है कि इस नेटवर्क के माध्यम से हर महीने 450 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की जाती थी।जांच के अनुसार, इस धन को सीधे उपयोग करने के बजाय कई स्तरों वाले वित्तीय नेटवर्क के जरिए अलग-अलग खातों और संस्थाओं में स्थानांतरित किया जाता था।

शेल कंपनियों के जरिए किया गया मनी लॉन्ड्रिंग

ईडी के मुताबिक, अवैध कमाई को वैध दिखाने के लिए शेल कंपनियों और फर्जी वित्तीय लेन-देन का सहारा लिया गया। कई संस्थाओं के माध्यम से रकम को घुमाकर शेयर, सिक्योरिटीज और अन्य संपत्तियों में निवेश किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि करीब 940.77 करोड़ रुपये की राशि इसी तरीके से विकास गर्ग से जुड़ी संस्थाओं (शेष पृष्ठ 6 पर...)

छग में 24 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, 12 जिलों के एसपी भी बदले, अजय यादव बने राजनांदगांव के नए आईजी

रायपुर। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला आदेश जारी किया. गृह (पुलिस) विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार 24 आईपीएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है. फेरबदल में एक आईजी रेंज, कई डीआईजी, एआईजी और 12 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को बदला गया है. आईपीएस अजय कुमार यादव को नेताजी सुभाषचंद्र बोस राज्य पुलिस अकादमी, चंदखुरी के निदेशक पद से हटाकर राजनांदगांव रेंज का पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) बनाया गया है. वहीं अब तक राजनांदगांव रेंज के आईजी रहे बालाजी राव सोमावर को पुलिस मुख्यालय, नया रायपुर में पदस्थ किया गया है. बस्तर में सीएएफ के आईजी प्रशांत कुमार अग्रवाल को भी पुलिस मुख्यालय भेजा गया है. कई वरिष्ठ अधिकारियों को पुलिस मुख्यालय में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं.

कई जिलों में बदले गए एसपी

जिलों में भी व्यापक बदलाव करते हुए दंतेवाड़ा, कोरिया, धमतरी, बलौदाबाजार-भाटापारा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, बलोद, सूरजपुर, कबीरधाम और सारंगढ़-बिलाईगढ़ के पुलिस अधीक्षकों की नई पदस्थापना की गई है. आईपीएस सुनील शर्मा को सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का नया एसपी नियुक्त किया गया. आईपीएस अजय कुमार यादव बने आईजी, राजनांदगांव रेंज. आईपीएस बालाजी राव सोमावर को पुलिस मुख्यालय भेजा गया. आईपीएस प्रशांत कुमार अग्रवाल पुलिस मुख्यालय में पदस्थ किए गए. आईपीएस चंद्रमोहन सिंह बने दंतेवाड़ा के नए एसपी. आईपीएस हरीश राठौर कोरिया के नए एसपी होंगे. आईपीएस भावना पांडेय को धमतरी का एसपी बनाया गया. आईपीएस राय गौरव रामप्रवेश को बलौदाबाजार-भाटापारा की जिम्मेदारी मिली. आईपीएस उमेश प्रसाद गुप्ता बीजापुर के एसपी होंगे. आईपीएस मयंक को सुकमा का एसपी बनाया गया. आईपीएस संदीप कुमार पटेल नारायणपुर के एसपी नियुक्त किए गए है. आईपीएस जितेंद्र कुमार यादव को कबीरधाम का एसपी बनाया गया. आईपीएस योगेश कुमार पटेल को सूरजपुर और चव्हाण किरण गंगाराम को बलोद का एसपी बनाया गया.

सुप्रीम कोर्ट में हंगामा: वकील ने सीजेआई के लिए अपशब्द कहे, कोर्ट में फाइल फेंकी; जज बोले - हमें उससे सहानुभूति है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक सुनवाई के दौरान असामान्य स्थिति बन गई, जब खुद अपनी पैरवी कर रहे एक याचिकाकर्ता ने जजों के सामने हंगामा शुरू कर दिया। उसने कोर्ट की कार्यवाही के दौरान चीफ जस्टिस के लिए अपशब्द कहे, फाइल हवा में फेंकी और जजों को आदेश देने की कोशिश की। इसके बाद सुरक्षा कर्मियों ने उसे कोर्टरूम से बाहर निकाल दिया।

जजों को ही देने लगा आदेश

मामला जस्टिस के.वी. विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया था। याचिकाकर्ता प्रबल प्रताप ने खुद को 'संप्रभु' बताते हुए जजों को 'न्यायिक सेवक' कहा। उसने बेंच से कहा कि लखनऊ के एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिया जाए। इस पर जस्टिस विश्वनाथन ने हैरानी जताते हुए पूछा, क्या आप हमें आदेश दे रहे हैं?

फाइल फेंकी, अपशब्द कहे; सुरक्षा कर्मियों ने संभाला मोर्चा

सुनवाई के दौरान स्थिति तब बिगड़ गई जब याचिकाकर्ता ने कथित तौर पर चीफ जस्टिस के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और केस से जुड़े कागज हवा में उछाल दिए। कोर्टरूम में व्यवधान पैदा होने पर सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप किया और उसे बाहर ले गए। कुछ समय तक उसे कोर्ट परिसर में सुरक्षा अधिकारियों की निगरानी में रखा गया।

जज बोले- कार्रवाई नहीं करेंगे, सिर्फ सहानुभूति है

हंगामे के बावजूद सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने याचिकाकर्ता के खिलाफ अवमानना या अन्य सख्त कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया।

जस्टिस के.वी. विश्वनाथन ने कहा,हम उसके खिलाफ कोई कार्रवाई करने का इरादा नहीं रखते। वह काफी परेशान है। यह उसकी हताशा है। हमारे मन में उसके लिए केवल सहानुभूति है। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में दखल देने से इनकार करते हुए स्पेशल लीव पिटिशन खारिज कर दी।

मामला क्या था?

प्रबल प्रताप ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उनकी मांग थी कि एक पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का निर्देश दिया जाए। हालांकि, निचली अदालत ने उनकी अर्जी को निजी शिकायत (शेष पृष्ठ 6 पर...)

महासमुंद में 17.93 करोड़ रुपये का धान घोटाला, 15 समितियों पर एफआईआर

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में करीब 17.93 करोड़ रुपये का कथित धान घोटाला सामने आया है। इस मामले ने प्रशासन की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में कई खरीदी केंद्रों के रिकॉर्ड में धान का स्टॉक दर्ज था। हालांकि, भौतिक सत्यापन के दौरान वहां स्टॉक नहीं मिला। वर्ष 2025-26 के धान खरीदी सत्र में 182 खरीदी केंद्रों से 1,01,95,681.20 मीट्रिक टन धान खरीदा गया था। मिलिंग के बाद रिकॉर्ड के अनुसार 57,860.47 कुंतल धान शेष होना चाहिए था। लेकिन, जांच के दौरान 54 केंद्रों पर यह स्टॉक नहीं मिला। गायब धान का मूल्य करीब 17 करोड़ 93 लाख 67 हजार 457 रुपये आंका गया है। यह समर्थन मूल्य 3,100 रुपये प्रति कुंतल के आधार पर है।

आरंगी और बम्हनी सहकारी समितियों में सबसे अधिक धान गायब मिला। इन दोनों केंद्रों से चार-चार हजार कुंतल से अधिक धान गायब पाया गया। तोषगांव, बघरपाली, मोगरापाली, समहर, कोटद्वारी, मल्यामाल, बेलसोंडा और खेमड़ा सहकारी समितियों में भी बड़ी मात्रा में धान की कमी सामने आई है। इससे लाखों रुपये के नुकसान का (शेष पृष्ठ 6 पर...)

दतिया उपचुनाव: भाजपा से आशुतोष तिवारी उम्मीदवार, नरोत्तम मिश्रा का नाम कटा, झांसी हाईवे जाम, पदाधिकारियों ने दिए इस्तीफे

दतिया। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बड़ी खबर है। बीजेपी ने दतिया उपचुनाव के लिए उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। बीजेपी ने सभी को चौंकाते हुए आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार घोषित किया है। आशुतोष तिवारी मध्यप्रदेश भाजपा के पूर्व संभागीय संगठन मंत्री हैं और वो पूर्व अध्यक्ष एम.पी. हाउसिंग बोर्ड (केबिनेट मंत्री दर्जा) रह चुके हैं। पहले दतिया सीट से नरोत्तम मिश्रा प्रबल दावेदार माने जा रहे थे और उन्होंने नामांकन पत्र भी खरीद लिया था, लेकिन अब भाजपा ने आशुतोष तिवारी के नाम का ऐलान कर सभी को चौंका दिया है।

दावेदारों में शामिल नहीं थे आशुतोष

भाजपा और कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा की सीट बन चुके दतिया विधानसभा उपचुनाव में नरोत्तम मिश्रा का नाम कटना सभी को हैरान कर गया। नरोत्तम मिश्रा इस उपचुनाव में सक्रिय हो चुके थे और कार्यकर्ताओं से भी लगातार मिलने लगे थे। भाजपा की ओर से भी पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट लगभग तय माना जा रहा था। नरोत्तम के अलावा भाजपा के दो नेता भी दावेदारों में शामिल थे। उनमें से अवधेश नायक और घनश्याम सिंह के नाम थे। लेकिन अंत समय तक पैनल में आशुतोष तिवारी का नाम शामिल नहीं था। दो दिन पहले ही पूर्व गृहमंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा ने नामांकन पत्र खरीद लिया था। उनके नामांकन पत्र खरीदने से राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई थी। सभी कंफर्म (शेष पृष्ठ 6 पर...)

कार्यकर्ताओं ने पार्टी छोड़ने की दी चेतावनी

दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा पूर्व गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं दिए जाने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी खुलकर सामने आ गई। शुक्रवार को नाराज कार्यकर्ताओं ने दतिया-झांसी हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे करीब तीन किलोमीटर लंबा वाहनों का जाम लग गया। वहीं दतिया उपचुनाव में डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटने का भारी विरोध हो रहा है। दतिया से भाजपा जिलाध्यक्ष रघुवीर सरण सहित सभी पदाधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं पार्टी छोड़ने की चेतावनी भी दी जा रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेतृत्व के फैसले का विरोध करते हुए नारेबाजी की। उनका कहना था कि डॉ. नरोत्तम मिश्रा के स्थान पर घोषित किए गए उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को वे नहीं जानते और इस फैसले से कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

पहला कॉलम...

19 सूत्रीय मांगों को लेकर मनाया गया काला दिवस, सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। जिलेभर की लगभग 300 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को एक दिवसीय हड़ताल कर कलेक्टर समीप धरना प्रदर्शन करते हुए अ.भा. काला दिवस मनाया और अपनी 19 सूत्रीय मांगों के संदर्भ में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी के नाम पर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के जिला अध्यक्ष हेमिन साहू व सचिव चित्रलेखा साहू ने बताया कि उनका यह आंदोलन पूरे प्रदेश भर में आयोजित है। लगभग 2 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं अपनी 19 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन पर उतरी है और केंद्र सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से मांग की जा रही है कि उनकी बरसों पुरानी मांग जल्द पूरी की जाए। इस दौरान केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में आं.बा. कार्यकर्ताओं द्वारा मंत्रीकहा से कहा गया है कि सत्ता में आने के बाद आप हमारे प्रतिनिधिमंडल से दो बार मिल चुकी हैं, आखिरी बार 6 दिसंबर 2025 को जब केंद्रीय मंत्री के दफ्तरों के सामने काफी संघर्ष के बाद हमें आपने मिलने का समय मिला था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि इन मुलाकातों में आपने 2018 से लंबित मानदेय में बढ़ोतरी, मंत्रालय द्वारा आईसीडीसी की मात्र जुबली 50वीं वर्षगाठ) बनाना, 2022 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ग्रेच्यूटी लागू करने के आदेश तुरंत जारी करना, अनिवार्य एफआरएस को हटाना और ऑनलाईन काम के नाम पर वर्करों को परेशान करना बंद करना तथा आंगनबाड़ियों में प्री-स्कूल व्यवस्था को मजबूत करना सहित बजट 2025-26 में की गई घोषणा के अनुसार अधिक धनराशि आवंटित करके भोजन की गुणवत्ता में सुधार करना। पूरे देश में छुट्टी, प्रमोशन आदि सहित समान सेवा शर्ते लागू करना, आगनबाड़ी वर्करो/हेल्परों को आईसीडीसी से संबंधित काम के अलावा कोई अन्य काम न सौंपे जाने का वादा किया गया था, लेकिन इसमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ।

भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों और दिव्यांग छात्रों को शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट

राजनांदगांव (दावा)। नगर के अग्रणी अशोका आईटीआई में संचालित विभिन्न ट्रेड कोर्स जैसे कोपा, स्टेनो एवं इलेक्ट्रीशियन में भूतपूर्व सैनिक परिवारों के पुत्र पुत्रियों तथा दिव्यांगजन छात्र-छात्राओं को शुल्क में 50 प्रतिशत छूट दी जा रही है। इसके अतिरिक्त उक्त छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय की ओर से निःशुल्क स्टडी किट भी प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिले के प्रतिष्ठित अशोका आईटीआई प्रबंधन द्वारा महाविद्यालय की स्थापना की 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर छात्र-छात्राओं को शुल्क में भारी छूट प्रदान की जा रही है। जिसका लाभ छात्र-छात्राएं ले सकते हैं। विदित हो कि अशोका आईटीआई में संचालित विभिन ट्रेड कोर्सो में प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं है। ग्रामीण अंचलों के निर्धन किंतु प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनके 10वीं के प्राप्तांको के आधार पर भी शुल्क में छूट प्रदान की जा रही है। अधिक जानकारी के लिये ईच्छुक विद्यार्थी महाविधालय में संपर्क सकते है या मो.न. 8319493983-8602502398 के माध्यम से भी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पीड़ित व्यक्तियों को 10 लाख रूपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आर्थिक सहायता आयोजनेत्तर मद से सड़क दुर्घटना में मृतक व्यक्तियों के परिवारजनों एवं घायल पीड़ित व्यक्तियों को 10 लाख रूपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। राजनांदगांव, डोंगरगांव, छुरिया, डोंगरगढ़ तहसील अंतर्गत सड़क दुर्घटना में मृतक व्यक्ति के परिवारजनों को 25 हजार रूपए एवं गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व तहसीलदार को आबंटित 2.50-2.50 लाख रूपए पुर्नबंटित किया गया है।

जिले में अब तक 1765.1 मिमी वर्षा दर्ज

राजनांदगांव (दावा)। राजनांदगांव जिले में इस वर्ष चालू मानसून वर्ष में 1 जून से अब तक जिले के सभी 7 तहसीलों में 1765.1 मिमी बारिश एवं औसत 252.2 मिमी बारिश दर्ज की गई है। भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी अनुसार डोंगरगढ़ तहसील में 285.9 मिमी, लाल बहादुर नगर तहसील में 291 मिमी, राजनांदगांव तहसील में 341.7 मिमी, घुमका तहसील में 125 मिमी, छुरिया तहसील में 204.8 मिमी, कुमरदा तहसील में 283.7 मिमी, डोंगरगांव तहसील में 233 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक सर्वाधिक वर्षा राजनांदगांव तहसील में 341.7 मिमी दर्ज की गई है।

श्री कृष्णा (एयरकूल) में
रोजाना 4 खेल में
समय-12 सु., 03 दोप. 6 व रात 9 बजे
हसी का धमाल
धमाल 4
अजय देवगन, अरशद वार्सी, जावेद जाफरी, ईशा गुप्ता, अंजली, रितेश देशमुख, संजय मिश्रा,

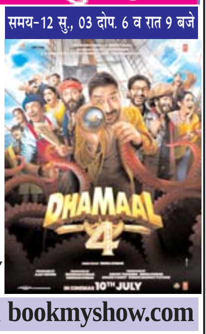

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

गांधी चौक स्थित प्राचीन मंदिर से निकलेगी 87वीं रथयात्रा, जूनी हटरी के श्रीराम-जानकी मंदिर में एकादशी तक विराजेंगे भगवान

संस्कारधानी में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा 16 को

राजनांदगांव (दावा)। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के पावन अवसर पर 16 जुलाई (गुरुवार) को संस्कारधानी नगरी में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा पूरी श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। ओडिशा के श्री जगन्नाथपुरी की तर्ज पर स्थानीय स्तर पर भी नगर भ्रमण की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। राजनांदगांव के गांधी चौक स्थित प्राचीन श्री जगन्नाथ मंदिर से रथयात्रा निकाले जाने का यह 87वां वर्ष है। जिसे लेकर भक्तों में भारी उत्साह है। पारंपरिक रथ को भव्य रूप देने के लिए अनेक सेवादार दिन-रात तैयारियों में जुटे हुए हैं।

गांधी चौक से शुरू होकर रथयात्रा नगर भ्रमण करते हुए जूनी हटरी स्थित श्री राम जानकी मंदिर पहुंचेगी। जहां पारंपरिक सनातन संस्कृति के अनुसार भगवान का भव्य स्वागत किया जाएगा। भगवान जगन्नाथ अपनी बहन और भाई के साथ आषाढ़ शुक्ल एकादशी तक श्रीराम-जानकी मंदिर में ही विराजेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। इस दौरान श्रद्धालुओं को सुप्रसिद्ध गजा मूंग का प्रसाद वितरित किया जाएगा। एकादशी के दिन भगवान पुनः अपने रथ पर सवार होकर बाजे-गाजे के साथ अपने मूल मंदिर (गांधी चौक) लौटेंगे। जिसके साथ ही रथयात्रा उत्सव संपन्न होगा। श्री जगन्नाथ रथयात्रा आयोजन समिति ने नगर के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों, माताओं और बहनों से आग्रह किया है कि वे इस भव्य रथयात्रा में सम्मिलित होकर प्रभु का रथ खींचें और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करें। जिन मार्गो से रथ गुजरेगा। वहां के निवासी अपने-अपने द्वारों पर महाप्रभु का दर्शन-पूजन कर धर्मलाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दोपहर 2:30 बजे से भक्त अपने हाथों से खींचेंगे प्रभु का रथ

आयोजन समिति के अनुसार दोपहर 2 बजे भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र, बहन सुभद्रा एवं सुदर्शन चक्र को पूर्ण विधि-विधान के साथ भव्य रथ पर विराजमान कराया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2:30 बजे पूजा-आरती के बाद रथयात्रा प्रारंभ होगी। सैकड़ों श्रद्धालु माताएं, बहनें और भाई अपने हाथों से रथ की पवित्र रस्सी को खींचकर पुण्य लाभ कमाएंगे। रथयात्रा के दौरान संस्कारधानी की विभिन्न भजन मंडलियों द्वारा प्रस्तुत सुमधुर भजनों की स्वर लहरियों पर भक्त झूमते-नाचते आगे बढ़ेंगे। साथ ही ढोल-नगाड़ों की थाप यात्रा के वैभव को और बढ़ाएगी।

सुबह विशेष श्रृंगार, 11 बजे से विशाल भंडारा

श्री जगन्नाथ मंदिर रथयात्रा आयोजन समिति के प्रमुख महेश शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सुबह 8 बजे गांधी चौक स्थित मंदिर में भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा का विशेष श्रृंगार पूजन व महाआरती होगी। सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक पिछले वर्षो की भांति इस वर्ष भी मंदिर परिसर में विशाल भंडारा प्रसादी का आयोजन किया गया है। जहां सभी श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण कर सकेंगे।

हल्दी में 50 लाख से अधिक राशि से होगा विकास कार्य, महापौर ने किया भूमिपूजन

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम द्वारा शासन स्वीकृत राशि से वार्डो में विभिन्न विकास कार्य कराये जा रहे है। विकास कार्य कड़ी में आज वार्ड नं. 51 हल्दी में अधोसंरचना मद अंतर्गत 53 लाख रूपये की लागत से विभिन्न गलियो में सीमेंट कांक्रीटींग रोड एवं नाली निर्माण करने महापौर मधुसूदन यादव ने महापौर परिषद के प्रभारी सदस्य सावन वर्मा, सुनील साहू, आलोक श्रुति, डीलेश्वर साहू, वार्ड पार्षद चंद्रकृत साहू, वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा, पार्षद मनोहर यादव, सतीश साहू, अरूण साहू, संजय रजक, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव सहित वार्डवासियों की उपस्थिति में श्रीफल फोडकर गैती चलाकर भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन अवसर पर महापौर ने कहा कि शासन द्वारा संस्कारधानी में विकास कार्य कराने अधोसंरचना, अधोसंरचना उपकर निधि अंतर्गत नगर निगम में स्वीकृति दिए थे। शासन स्वीकृति एवं विधायक डॉ. रमन सिंह तथा सांसद संतोष पाण्डे की अनुशंसा पर उनकी निधि अंतर्गत विभिन्न विकास कार्य वार्डो में कराए जा रहे है। इसी कड़ी में आज हल्दी में 50 लाख रूपये से अधिक की राशि से रोड नाली निर्माण करने

भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रोड निर्माण होने से आवागमन में सुविधा होगी वही नाली निर्माण से घरों के पानी निकलने के अलावा बारिश का पानी असानी से बहेगा। उन्होंने कहा कि उक्त कार्य जल्द प्रारंभ कर समय सीमा में गुणवत्ताक के साथ पूर्ण कराया जाएगा, ताकि हल्दीवासियों को इसका लाभ मिल सके। भूमिपूजन के पूर्व वार्ड के संजय साहू, अनिता यादव, दुर्गा साहू, प्रमिला साहू, टिकेश्वरी साहू, सेवन साहू, डिम्पल श्रीवास, सुनील साहू, सतानंद साहू, पुनुराम राम साहू, खेमू साहू, शीतल दास, नरसिंह साहू, सोहन सोनकर, ललित निषाद, शिव साहू, सुखनंदन साहू, रेखालाल साहू, कुबेर साहू ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। इस अवसर पर सहायक अभियंता श्रीमती ज्योति साहू सहित वार्डवासी उपस्थित थे।

सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा के सफल संचालन हेतु प्रशिक्षण

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सूबेदार, उप निरीक्षक संवर्ग एवं प्लाटून कमांडर (प्रारंभिक) परीक्षा-2024 का आयोजन 12 जुलाई को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिले के 7 परीक्षा केन्द्रों में किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में परीक्षा से संबंधित सभी केन्द्राध्यक्षों, प्रेक्षकों (ऑब्जर्वर) एवं फ्लाइंग स्क्वॉड टीम (एफएसटी) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

अपर कलेक्टर श्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाए रखना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने परीक्षा सामग्री के सुरक्षित संधारण एवं वितरण, परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश, पहचान सत्यापन, बैठक व्यवस्था, निषिद्ध सामग्री पर नियंत्रण तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत गोपनीय सामग्री के सुरक्षित संकलन एवं प्रेषण संबंधी सभी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने फ्लाइंग स्क्वॉड टीम एवं प्रेक्षकों को परीक्षा अवधि के दौरान सभी परीक्षा केन्द्रों का सतत निरीक्षण करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा अनुचित साधनों के प्रयोग पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केन्द्राध्यक्षों को आयोग के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए परीक्षा का सफल संचालन सुनिश्चित करने के लिए कहा। प्रशिक्षण में परीक्षा संचालन से संबंधित सभी केन्द्राध्यक्ष, प्रेक्षक, फ्लाइंग स्क्वॉड टीम के सदस्य तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पहले वार्ड विजिट में एक्शन में दिखे नवागत आयुक्त मरकाम : गोल बाजार व शहर के आंतरिक क्षेत्रों की जांची सफाई

सेन्टर परिसर में जमा कबाड़ सामग्री को तत्काल संबंधितों को बेचने के निर्देश दिए ताकि वहां जगह साफ रहे

राजनांदगांव (दावा प्रतिनिधि)। नगर पालिक निगम राजनांदगांव के नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम पदभार ग्रहण करते ही एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। वार्ड विजिट की कड़ी में आज उन्होंने शहर के मुख्य व्यावसायिक व आंतरिक क्षेत्रों का अपना पहला मैदानी निरीक्षण किया। इस दौरान आयुक्त ने गोल बाजार, जय स्तंभ चौक, सिनेमा लाइन और गंज चौक का पैदल भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को कड़ी हिदायत देते हुए सफाई में और सुधार लाने, कूड़ा-कचरा तत्काल उठाने तथा बाजार क्षेत्रों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

आयुक्त श्री मरकाम ने गोल बाजार में पैदल घूमकर स्वास्थ्य विभाग की टीम से कहा कि बाजार सजने और दुकानें खुलने से पूर्व संपूर्ण क्षेत्र की समुचित सफाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जय स्तंभ चौक के आसपास प्रतिदिन गहन सफाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि वहां किसी भी प्रकार का कूड़ा-करकट या कबाड़ जमा न हो। निरीक्षण के दौरान एक ट्रांसफार्मर के पास अनावश्यक कपड़ा और गंदगी देख उन्होंने उसे तत्काल साफ कराया। सिनेमा लाईन और गंज लाइन के भ्रमण के दौरान नाली के पास खाली भूमि पर कचरा और मलबा बिखरा देख आयुक्त ने नाराजगी जताई।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन स्थानों की सफाई कराकर वहां एक फीट ऊंची दीवार उठवाई जाए, ताकि लोग दोबारा मलबा न डाल सकें और गंदगी न फैले। इसके अलावा बारिश के पानी की सुगम निकासी के लिए गंज चौक के बड़े नाले की समुचित सफाई के निर्देश दिए। बाजार क्षेत्रों का रुख करने के बाद आयुक्त श्री मरकाम भरकापारा स्थित एसएलआरएम सेंटर पहुंचे। उन्होंने सेंटर प्रभारी से कचरा निपटान (डिसपोजल) की पूरी प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। आयुक्त ने कहा कि सूखे और गीले कचरे का उचित निपटान समय-सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने सेन्टर परिसर में जमा कबाड़ सामग्री को तत्काल संबंधितों को बेचने के निर्देश दिए ताकि वहां जगह साफ रहे। साथ ही बाहर खड़ी लो-बेड ट्रॉली को हटाकर शेड के अंदर सुरक्षित रखने को कहा। उन्होंने सेन्टर के बोरवेल पंप को जल्द सुधरवाने और पानी निकासी की व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया।

डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में लाएं सुधार, नागरिकों को दें समझाइश

आयुक्त ने शहर में चल रहे डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कार्य की समीक्षा करते हुए प्रभारियों से कहा कि घरों से गीला और सूखा कचरा अलग-अलग ही लिया जाए। इसके लिए उन्होंने स्वच्छता दीदियों और कर्मचारियों के माध्यम से नागरिकों को समझाइश देने को कहा कि वे निर्धारित समय पर ही अपने घरों का डस्टबिन बाहर निकाल कर रखें, ताकि कचरा संग्रहण की गाड़ी बिना रुके सही समय पर काम पूरा कर सके। निरीक्षण के दौरान प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राजेश मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक दीपक श्रीवास्तव सहित निगम का पूरा स्वास्थ्य अमला व मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार, घुमका
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ -जिला राजनांदगांव, तहसील- घुमका प.ह.नं. 00011, सलौनी ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक CT2026-27-126-1-1035

ईश्तहार

तहसील घुमका के प.ह.नं. 00011 के अंतर्गत ग्राम सलौनी के वर्तमान भूमिस्वामी गंगाबाई पिता/पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी तह.-घुमका, जिला-राजनांदगांव, चन्द्रकला पिता/पति-कोलिहा, पता-ग्राम सलौनी, तह.-घुमका, जिला राजनांदगांव, दुखनबाई पिता/ पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी तह.-घुमका जिला राजनांदगांव, पुन्नीबाई पिता/पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी तह.-घुमका जिला राजनांदगांव, बीणाबाई पिता/पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी तह.-घुमका जिला राजनांदगांव, मीनाबाई पिता/पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी, तह.-घुमका, जिला राजनांदगांव, मीराबाई पिता/पति-कोलिहा पता-ग्राम सलौनी तह.-घुमका जिला राजनांदगांव के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 164/6 (0.0410), 164/1 (0.0240), 164/7 (0.4000), 601 (0.8090), 152/2 (0.4860) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता मुकेश लहरे पिता/पति-कोलिहा, पता-ग्राम सलौनी, तह.-घुमका, जिला-राजनांदगांव के नाम पर पंजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक **17/07/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय, नायब तहसीलदार घुमका पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक **30/06/2026** को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार, घुमका
तह. व जिला- राजनांदगांव

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
3-5-8
790-6 239-4
राजधानी
2-3-0
277-6 144-9

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। **-सम्पादक**

कार्यालय नगर पालिका निगम, राजनांदगांव (छ.ग.)

क्रमांक/631/निविदा/ लोक-11/2026-27 राजनांदगांव, दिनांक 08/07/2026

// निविदा सूचना //

नगर पालिका निगम, राजनांदगांव में निम्न कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि रूपये लाख में	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड नं. 31 सांईधाम के पास सामुदायिक भवन में शेड निर्माण कार्य (प्रथम निविदा)	4.41	29/07/26
2	पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड नं. 36 में शेड निर्माण एवं विभिन्न स्थानों में मरम्मत कार्य (प्रथम निविदा)	3.00	29/07/26
3	पार्षद निधि अतर्गत वार्ड नं. 35 भवन में रंग-रोगन व मरम्मत कार्य (प्रथम निविदा)	3.00	29/07/26
4	पार्षद निधि अंतर्गत वार्ड नं. 44 कौरिनभांठा में पीसीसी रोड एवं अन्य मरम्मत कार्य (प्रथम निविदा)	2.00	29/07/26

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा से संबंधित सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय नगर पालिक निगम, राजनांदगांव के (लोककर्म शाखा) एवं वेबसाईट www.mcrjn.com & http://www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन, शुद्धिकरण एवं अमेंडमेंन्ट पृथक से विज्ञापन जारी नहीं किया जावेगा। वेबसाईट में ही प्रकाशित किया जावेगा।

आ.क्र. 58/जनसंपर्क/2026 **आयुक्त, नगर पालिक निगम, राजनांदगांव**

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग राजनांदगांव (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

निविदा विज्ञप्ति क्र. 5066/ नि.वि./ लोनिवि /8/26-27/वलेसहा दिनांक 09/07/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है-
1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : **28/07/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक**
2. ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि : **06/08/2026 अपरान्ह 5.30 बजे तक**
3. निविदा खोलने की तिथि : **07/08/2026 पूर्वान्ह 11.30 बजे**

क्रमांक	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)	अमानती राशि
01	02	03	04
08 T0024	स्वामी आत्मानंद स्कूल डोंगरगढ़, जिला - राजनांदगांव के अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	6.16	5000.00

उपरोक्त निविदा की जानकारी विभागीय वेब पोर्टल www.cg.nic.in/pwdraipur से भी अवलोकन किया जा सकता है।
टीप:- ऑनलाईन से डाउनलोड किया गया निविदा फार्म को प्रेषित करने पर मान्य नहीं किया जावेगा, इस कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा फार्म हेतु आवेदन प्रस्तुत करने पर ही निविदा फार्म प्रदाय किया जावेगा।

जी- 262702016/1 **कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग, राजनांदगांव (छ.ग.)**

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन, फूंका पीएम व सीएम का पुतला

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शुक्रवार को राजनांदगांव शहर एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में एक विशाल और उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी तथा केंद्र व राज्य सरकार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों (ईडी/सीबीआई) के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कांग्रेसी सड़कों पर उतरे। जय स्तंभ चौक पर आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का पुतला दहन किया।

वरिष्ठ नेता रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में जय स्तंभ चौक पर बरसे कांग्रेसी, मुदलियार व विपिन यादव बोले— राजनीतिक प्रतिशोध का सड़क से सदन तक देंगे जवाब

पुलिस की घेराबंदी तोड़ कांग्रेसियों ने फूंका पुतला

पुतला दहन के दौरान जय स्तंभ चौक पर भारी गहमागहमी और तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। तैनात पुलिस बल ने मुस्तैदी दिखाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पुतला छीनने और दहन रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया। इस दौरान पुलिस जवानों और उग्र कार्यकर्ताओं के बीच काफी देर तक तीखी बहस और जबरन झूमाझटकी होती रही। अंततः पुलिस के तमाम सुरक्षा घेरों और कोशिशों को विफल करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पुतले को आग के हवाले कर दिया और सरकार विरोधी नारे बुलंद किए।

लोकतंत्र को दबाने के लिए हो रहा एजेंसियों का खुला दुरुपयोग

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि और प्रदेश में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। विपक्ष की बुलंद आवाज को दबाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का खुला दुरुपयोग किया जा रहा है। कांग्रेस नेताओं को झूठे मामलों में फंसाकर राजनीतिक प्रतिशोध लिया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस इस दमनकारी नीति से डरने या झुकने वाली नहीं है। यह संघर्ष किसी एक नेता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र और जनाधिकारों की रक्षा का है। कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक इसका मुंहतोड़ जवाब देगी। वहीं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विपिन यादव ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष पर दमनकारी नीति अपना रही है। कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़ा है और इस राजनीतिक प्रतिशोध के खिलाफ आंदोलन को और अधिक उग्र किया जाएगा।

जय स्तंभ चौक पर हुए इस उग्र प्रदर्शन में शहर व ग्रामीण कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सेवादल, सोशल मीडिया विभाग तथा कांग्रेस के विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे। इस दौरान श्रीकिशन खंडेलवाल, प्रवीण मेश्राम, मेहुल मारू, दिनेश शर्मा, राकेश जोशी, रूपेश दुबे, क्रांति बंजारे, इकरामुद्दीन सोलंकी, मामराज अग्रवाल, अशोक पंजवानी, मनीष गौतम, विनय झा, सूर्यकांत जैन, ललित मरकाम, राहुल तिवारी, देवेश डाकलिया, प्रेम रूचंदानी, वीरेंद्र चंद्राकर, प्रदीप राठौड़, शरद खंडेलवाल, लक्ष्मण साहू, चेतन भानुशाली, झम्मन देवांगन, हेमंत ओस्तवाल, अमर झा, ललित कुमरे, गजेन्द्र सिंह राजपूत, राहुल बांदे, निश्चय बुराडे, रितेश जैन, रितेश महानंद, अरशद खान, हर्ष साहू, बबलू कसार, मुस्तफा जोया, बंटी यादव, तन्मय कोटड़िया, गोलू नायक, भावेश सिन्हा, अमित अग्रवाल, नंदकुमार साहू, अभिमन्यु मिश्रा, राम साहू, अखिलेश सिन्हा, पूरन लाल नेताम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नशीली दवाओं के खिलाफ बड़ी कार्यवाही : राजनांदगांव में 270 किलो गांजा और 1847 नशीली टेबलेट्स की गई नष्ट

शासन के निर्देश पर जिला स्तरीय कमेटी की मौजूदगी में ग्राम सांकरा के निजी प्लांट में विधिवत् निष्पादन, 10 थानों के 59 प्रकरणों का माल हुआ खाक

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन के आदेशानुसार गठित जिला स्तरीय कमेटी के मार्गदर्शन में आज जिला राजनांदगांव के विभिन्न थानों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत जप्त किए गए मादक पदार्थों के नष्टीकरण की एक बड़ी कार्यवाही की गई। इस दौरान कुल 59 प्रकरणों से संबंधित लगभग 270 किलोग्राम गांजा और 1847 नशीली टेबलेट्स को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया। नष्टीकरण की यह पूरी प्रक्रिया नियमों के तहत विधिवत् रूप से संपन्न की गई। इस दौरान जिला स्तरीय कमेटी के अध्यक्ष और राजनांदगांव एसपी अंकिता शर्मा (भापुसे), सदस्य व सहायक आयुक्त आबकारी राजेश शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, श्रीमती वैशाली जैन (भापुसे) तथा सोमनी थाना प्रभारी दिलीप पटेल सहित विभिन्न थानों के अधिकारी और कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नियमों और पर्यावरण मानकों का रखा गया ध्यान

एनडीपीएस अधिनियम में उल्लेखित कड़े प्रावधानों का पालन करते हुए इस कार्यवाही को ग्राम सांकरा (पोस्ट सोमनी) स्थित 'श्री जी. पैनल'' के निजी प्लांट में अंजाम दिया गया। नष्टीकरण से पहले छत्तीसगढ़ पर्यावरण विभाग, स्थानीय ग्राम पंचायत और संबंधित फर्म से विधिवत् अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया था, ताकि पर्यावरण या सुरक्षा संबंधी कोई चूक न हो। उपरोक्त नष्टीकरण की कार्यवाही में थाना घुमका के 4, कोतवाली 13, चिखली 5, लालबाग 6, डोंगरगांव 3, बसंतपुर 5, सुरगी 1, सोमनी 8, डोंगरगढ़ 13, मोहारा 1 प्रकरण सम्मिलित किये गये।

भक्ति का अनूठा समागम: योगिनी एकादशी पर सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों का हुआ भव्य पूजन

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी के प्रसिद्ध श्री गणेश मंदिर मिथिला धाम, मौनी बाबा आश्रम में आज योगिनी एकादशी के पावन अवसर पर एक अलौकिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। आश्रम के पूज्य मौनी बाबा के दिव्य मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ 'सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों' का निर्माण कर उनका सामूहिक पूजन-अभिषेक किया। इस वृहद धार्मिक आयोजन से पूरा आश्रम परिसर हर-हर महादेव और ॐ नमः शिवाय के जयघोष से गुंजायमान रहा। इस महापूजन को मिथिला परंपरा के सुप्रसिद्ध विद्वान पंडित देवानंद झा द्वारा सनातनी विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया गया। अनुष्ठान में मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती अंबिका देवी एवं मनोज चौधरी शामिल हुए। जिन्होंने सपत्नीक व सपरिवार मुख्य वेदी का पूजन कर लोक-कल्याण की कामना की।

दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालु, दिनभर चला निर्माण और अभिषेक

योगिनी एकादशी के इस पावन संयोग पर आयोजित अनुष्ठान में न केवल स्थानीय श्रद्धालुओं, बल्कि अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में शिवभक्तों की मौजूदगी रही। जिसमें भिलाई, दल्लीराजहरा और राजनांदगांव के कोने-कोने से आए भक्तों ने सुबह से ही पवित्र मिट्टी से शिवलिंगों का निर्माण शुरू किया। दोपहर तक सवा लाख शिवलिंगों के निर्माण के पश्चात, सभी विग्रहों का दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल और औषधियों से महाअभिषेक किया गया। पूजन के समापन पर महाआरती की गई और उपस्थित तमाम भक्तों के बीच प्रसादी का वितरण किया गया।

मौनी बाबा का मिला आशीर्वाद

आश्रम के मोनी बाबा ने इस अवसर पर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए योगिनी एकादशी पर पार्थिव शिवलिंग पूजन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि एकादशी के दिन मिट्टी के शिवलिंग बनाकर उनका पूजन करने से मनुष्य के समस्त पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में मिथिला धाम सेवा समिति के सदस्यों और आश्रम के सेवादारों का सराहनीय योगदान रहा।

कल जवानों की वीरता को समर्पित किताब 'कोरकोट्टी' का विमोचन

राजनांदगांव (दावा)। अविभाजित राजनांदगांव जिले के ऐतिहासिक कोरकोट्टी में 12 जुलाई को हुए भीषण माओवादी मुठभेड़ में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिस जवानों की शहादत पर केंद्रित विशेष किताब 'कोरकोट्टी' का विमोचन आगामी 12 जुलाई को होने जा रहा है। इस गौरवमयी अवसर पर पुलिस लाईन राजनांदगांव में बलिदानी जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसी गरिमापूर्ण मंच पर बलिदानी जवानों के स्वजनों (परिवार के सदस्यों) द्वारा इस पुस्तक का विमोचन किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण किताब राजनांदगांव के वरिष्ठ पत्रकार अतुल श्रीवास्तव द्वारा लिखी गई है। पुस्तक में 2009 के कोरकोट्टी कांड के साथ-साथ राजनांदगांव और बस्तर संभाग में विभिन्न माओवादी हमलों में वीरगति को प्राप्त हुए जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और उनके जीवन के अनछुए पहलुओं को गहराई से उकेरा गया है।

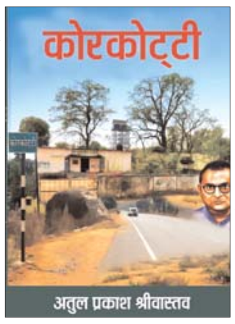

बलिदानियों के सम्मान और माओवाद मुक्त छग की गूंज

लेखक अतुल श्रीवास्तव ने पुस्तक के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि वे इससे पहले भी बस्तर और माओवाद से जुड़े संवेदनशील विषयों पर लगातार लेखन और पुस्तकें लिखते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह नई किताब केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि हमारे वीर बलिदानियों की वीरता, 'माओवाद मुक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प और देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले परिवारों की मर्मस्पर्शी पीड़ा को रेखांकित करती है। यह कृति उनके सर्वोच्च सम्मान को एक नया आयाम देने का एक छोटा सा प्रयास है। राजनांदगांव पुलिस लाईन में होने वाले इस भावुक और ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर विभाग और आम नागरिकों में खासा सम्मान देखा जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पारीकला में भव्य योग अभ्यास

राजनांदगांव (दावा)। 12 वीं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर विस्तार गतिविधि के तहत रासेयो इकाई कांफ्लुएंस कॉलेज, बेस्ट प्रैक्टिस सेल, मेरा युवा भारत, ग्राम पंचायत पारीकला एवं पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वाधान में गोद ग्राम के शास.प्राथ. एवं माध्यमिक शाला पारीकला में योग अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक योग प्रार्थना के साथ हुआ।

कार्यक्रम अधिकारी प्रो. विजय मानिकपुरी ने कहा योग भारतीय ऋषि-मुनियों की हजारों वर्ष पुरानी धरोहर है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि मन, शरीर और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। एन.एस.एस. का प्रयास है कि प्रत्येक विद्यार्थी योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए। प्राचार्य डॉ. रचना पांडेय ने कहा स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। योग से एकाग्रता, अनुशासन और सकारात्मक सोच का विकास होता है। योग शिक्षक दिलीप राम, पतंजलि योग समिति ने योग का प्रदर्शन कराते हुए बताया, यम, नियम, आसन, प्राणायाम और ध्यान-ये योग के पांच महत्वपूर्ण अंग हैं। अनुलोम-विलोम जैसे सरल अभ्यास भी जीवन बदल सकते हैं। योग शिक्षक कौशल प्रसाद साहू पतंजलि युवा भारत ने कहा आज की पीढ़ी मोबाइल और तनाव से घिरी है। योग ही एकमात्र प्राकृतिक उपाय है जो बिना किसी खर्च के मानसिक शांति और शारीरिक स्फूर्ति देता है।

गंदा पानी पिला रहा निगम : नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने नवागत आयुक्त मरकाम को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। शहर में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षदों ने शुक्रवार को नवपदस्थ निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम से मुलाकात कर उन्हें एक तीखा ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस ने मोहारा फिल्टर प्लांट की व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि शोधन संयंत्र में पर्याप्त मात्रा में फिटकरी और दवाओं का उपयोग नहीं किए जाने के कारण शहरवासियों के घरों तक गंदा और मटमैला पानी पहुंच रहा है। जिससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

मोहारा फिल्टर प्लांट में फिटकरी और क्लोरीन की कमी का आरोप, कांग्रेस ने दी चेतावनी— व्यवस्था नहीं सुधरी तो होगा उग्र घेराव

फिल्टर प्लांट में जरूरी दवाओं की कमी : पिल्ले

नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि बरसात के मौसम में नदी-नालों का गंदा पानी आता है। ऐसे में जल शोधन संयंत्र (फिल्टर प्लांट) में पानी को स्वच्छ बनाने के लिए पर्याप्त मात्रा में फिटकरी, क्लोरीन गैस और ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग किया जाना अनिवार्य होता है। लेकिन मोहारा फिल्टर प्लांट में इनकी पर्याप्त उपलब्धता नहीं होने से पानी का समुचित शोधन नहीं हो पा रहा है। इसका सीधा खामियाजा शहर के विभिन्न वार्डों के नागरिकों को भुगतना पड़ रहा है, जो दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, तय हो अधिकारियों की जवाबदेही

श्री पिल्ले ने आरोप लगाया कि निगम प्रशासन की यह लापरवाही नई नहीं है। पूर्व में भी ऐसी शिकायतें आ चुकी हैं पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने मांग की कि मोहारा फिल्टर प्लांट में तत्काल पर्याप्त मात्रा में फिटकरी और रासायनिक दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उन पर कार्रवाई हो। बरसात में डायरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी महामारियों का खतरा रहता है, इसलिए महापौर और प्रशासन इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

कांग्रेस की दो टूक चेतावनी : जल्द सुधारें व्यवस्था, वरना होगा आंदोलन

नेता प्रतिपक्ष ने नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम से अपेक्षा जताई है कि वे अपने प्रशासनिक अनुभव का उपयोग करते हुए तत्काल आवश्यक निर्देश जारी करेंगे। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि निगम प्रशासन ने शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए और नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं कराया गया, तो कांग्रेस पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा नगर निगम कार्यालय का उग्र घेराव कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के साथ प्रमुख रूप से पार्षद सतीश मसीह, पार्षद सुनील साहू, पार्षद अमीन हुड्डा, पार्षद श्रीमती संगीता देवांगन, पार्षद प्रतिनिधि युवराज डिडहेर, छोटेलाल रामटेके, ऋषि शास्त्री सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उत्तर भारत में मानसून का कहर, छत्तीसगढ़ में थमी बारिश : बना नो-सिस्टम, 14 के बाद फिर सक्रिय होगा मानसून

राजनांदगांव (दावा)। पिछले दिनों शनिवार और रविवार को हुई दो दिवसीय मूसलाधार बारिश से जहां पूरा राजनांदगांव जिला पानी-पानी हो गया था। वहीं अब मानसून पर अचानक ब्रेक लग गया है। मौसम में नो-सिस्टम बनने के कारण पिछले तीन-चार दिनों से बारिश का अता-पता नहीं है और आषाढ़ के महीने में तेज धूप निकलने लगी है। इसके चलते मौसम का सुहानापन गायब हो गया है और उमस बढ़ गई है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, छत्तीसगढ़ में मानसून के इस तरह थमने की मुख्य वजह अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से नमी का न आना है। हालांकि मौसम विज्ञानी सी.एच. चंद्रा ने राहत की खबर देते हुए बताया कि 14 जुलाई के बाद प्रदेश में मानसून तंत्र एक बार फिर सक्रिय होने के आसार हैं।

शहर लबालब, पर खाली रह गए बड़े जलाशय

भले ही दो दिनों की रिकॉर्ड बारिश से तहसील कार्यालय, जिला अस्पताल, पुराना एसपी कार्यालय, बसंतपुर और गंज मंडी जैसे शहरी इलाके लबालब हो उठे थे, लेकिन इस झमाझम बारिश के बाद भी जिले के बड़े जलाशय नहीं भर पाए हैं। अविभाजित राजनांदगांव जिले का सबसे बड़ा जलाशय मोंगरा बैराज मानसून की शुरुआत से अब तक अपनी कुल भंडारण क्षमता का 20 प्रतिशत पानी भी संग्रहित नहीं कर पाया है। वर्तमान में मोंगरा में मात्र 13 प्रतिशत जल भंडारण दर्ज किया गया है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों के मुताबिक मोंगरा में जल स्तर न बढ़ने की मुख्य वजह महाराष्ट्र के वनांचल कैचमेंट (जलग्रहण) इलाकों में यथेष्ट बारिश का न होना है। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार जिले के अन्य जलाशयों के जलभराव की स्थिति भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। जिसमें सूखानाला जलाशय में 50 प्रतिशत जल भंडारण, खातूटोला जलाशय में 50 प्रतिशत जल भंडारण, घूमरिया जलाशय में 28 प्रतिशत जल भंडारण व मोंगरा बैराज (सबसे बड़ा) में मात्र 13 प्रतिशत जल भंडारण है। नगर निगम के कार्यपालन अभियंता यू.के. रामटेके ने बताया कि दो-तीन दिनों की मूसलाधार बारिश से शिवनाथ नदी जरूर लबालब होकर बही। जिससे शहर की पेयजल व्यवस्था को संबल मिला, लेकिन अब नदी का जलस्तर भी कम होने लगा है। यही स्थिति मटिया मोती बांध की भी बनी हुई है।

बारिश थमने से खेती-किसानी के कार्यों में आई तेजी

जलाशयों में कम पानी भले ही चिंता का विषय हो, लेकिन पिछले तीन दिनों से मौसम खुलने और खेतों में पानी का स्तर स्थिर होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। अंचल में खेती-किसानी के कार्यों ने रफ्तार पकड़ ली है। किसान तेजी से खेतों की ओर रुख कर रहे हैं। धान और सोयाबीन की बोनी के काम में तेजी आई है। साथ ही किसान थरहा (नर्सरी) डालने और रोपाई के कार्यों में जुट गए हैं।

10 वर्षों की तुलना में अब तक अधिक वर्षा

चिंताओं के बीच एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि जिले में 1 जून से अब तक हुई कुल बारिश पिछले 10 वर्षों के रिकॉर्ड से बेहतर है। भू-अभिलेख के अनुसार 1 जून से अब तक जिले की सातों तहसीलों में कुल मिलाकर 1708.2 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है। जिसके आधार पर जिले की औसत वर्षा 244.0 मिमी तक पहुंच गई है। अब जल संसाधन विभाग की निगाहें आगामी 14 जुलाई के सिस्टम और महाराष्ट्र के कैचमेंट एरिया में होने वाली बारिश पर टिकी हुई हैं।

नवागत निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम का दरोगा वार्ड प्रभारी स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने किया आत्मीय स्वागत

राजनांदगांव (दावा)। नगर पालिक निगम राजनांदगांव के नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम के पदभार ग्रहण करने पर दरोगा वार्ड प्रभारी स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा उनका गर्मजोशी से आत्मीय स्वागत किया गया। संघ के अध्यक्ष एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आयुक्त से शिष्टाचार भेंटकर उन्हें पुष्पगुच्छ सौंपा और नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस गरिमामय मुलाकात के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने नवागत आयुक्त को निगम की वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था, वार्डों की स्वच्छता और मैदानी स्तर पर दिन-रात काम करने वाले कर्मचारियों की जमीनी स्थिति से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि श्री मरकाम के कुशल मार्गदर्शन और लंबे प्रशासनिक अनुभव से राजनांदगांव शहर के विकास और जनहित के कार्यों को एक नई गति मिलेगी। साथ ही कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का भी त्वरित एवं सकारात्मक समाधान होगा।

नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम ने संघ की शुभकामनाओं के लिए सहर्ष आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि शहर की स्वच्छता को चाक-चौबंद करना और नागरिक सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना हमारी सबसे पहली प्राथमिकता होगी। इसके लिए सभी कर्मचारी टीम भावना (टीम वर्क) के साथ पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। नवागत आयुक्त को बधाई देने वालों में दरोगा वार्ड प्रभारी स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष, समस्त पदाधिकारी एवं भारी संख्या में निगम के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। संघ के अध्यक्ष प्रवीण झा, सपन साहू, अमन हुसैन, नेतु सोनवानी, गणेश सातर, हरी दास मानिकपुरी, प्रीति, सुनंदा, कमलेश रामटेके, राजेश झा, निमेश, दीपक श्रीवास्तव, राज कुमार सिन्हा, दसरू भारती, नरेन्द्र सोनी, आकेश पाण्डेय और राकेश ठाकुर सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। उक्त जानकारी संघ के सहायक मीडिया प्रभारी विजेंद्र दास मानिकपुरी द्वारा प्रदान की गई है।

अपराध जांच को डिजिटल बनाएगी केसीजी पुलिस, विवेचकों को मिले 63 स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल

खैरागढ़ (दावा)। अपराध अनुसंधान को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने एवं विवेचना की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से जिला केसीजी पुलिस टीम द्वारा थाना/चौकी प्रभारियों और विवेचकों को स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल वितरित किए गए। पुलिस मुख्यालय द्वारा जिला केसीजी को उपलब्ध कराए गए 63 स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से अब विवेचक घटनास्थल से ही डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संधारण, केस डायरी अपडेट, ऑनलाइन दस्तावेजों का अवलोकन तथा वरिष्ठ अधिकारियों को रियल-टाइम जानकारी उपलब्ध करा सकेंगे।

मोबाइल डेटा टर्मिनल सामान्य स्मार्टफोन नहीं, बल्कि पुलिस कार्यों के लिए विशेष रूप से तैयार सुरक्षित डिजिटल उपकरण हैं। इनमें विभागीय एप्लीकेशन, सुरक्षित नेटवर्क तथा विवेचना संबंधी आवश्यक डिजिटल टूल उपलब्ध हैं। इनके माध्यम से घटनास्थल पर ही फोटो, वीडियो, दस्तावेज एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रूप से अपलोड किया जा सकेगा। जिससे जांच में अनावश्यक विलंब कम होगा तथा साक्ष्यों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित होगा। यह आधुनिक तकनीक प्रभावी एवं जवाबदेह पुलिसिंग की आधारशिला है। स्मार्ट मोबाइल डेटा टर्मिनल के उपयोग से विवेचक फील्ड में रहते हुए अधिक त्वरित, वैज्ञानिक एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना कर सकेंगे। इससे अपराध अनुसंधान की गति एवं गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा आम नागरिकों को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं त्वरित पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से राजनांदगांव लगातार गढ़ रहा विकास की गाथा - ऋषिदेव

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा के लाडले विधायक व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के अथक प्रयासों से एक बार फिर राजनांदगांव जिले में विकास की बयार बहाई गई है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को एक और बड़ी सौगात मिली है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए एवं डॉ. रमन सिंह का आभार जताते हुए भाजपा के जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरी ने एक प्रेस विग्यप्ति जारी करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के लिए 72.29 लाख रुपये की लागत के 17 विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में ग्राम ईरा में पुलिया निर्माण, मनकी में मुक्तिधाम निर्माण, फुलझर में अहाता निर्माण, डिलापहरी में शेड निर्माण, बरगा में गली कंक्रीटीकरण, सुरगी में शेड निर्माण एवं निर्मला घाट निर्माण, कुम्हालोरी और भंडारपुर में सी.सी. रोड निर्माण, आरला में सामुदायिक भवन निर्माण, कोटराभाठा में शेड निर्माण सहित कुल 17 विकास कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर आवागमन एवं सामाजिक अधोसंरचना का लाभ मिलेगा।

ऋषिदेव चौधरी ने आगे कहा कि राजनांदगांव के जनता की जब्ज समझने वाले डाक्टर रमन सिंह के सभी कार्यकालों की तरह इस बार भी राजनांदगांव में विकास की ऐतिहासिक गाथा गाढ़ी जा रही है जिसका ह्रदय से आभार। जिला मंत्री ऋषिदेव चौधरीड ने कहा कि भाजपा सरकार ही आम जनता की हितैषी सरकार और डाक्टर साहब ने लगातार विकास कार्यों के माध्यम से यह सिद्ध किया है कि जनहित ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी नरेगा से अभिसरण के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले को 3 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की भी स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम टेडेसरा एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम भैसरा में लगभग 18-18 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवनों का निर्माण और बेलगांव (वि.खं. डोंगरगढ़) में 14 लाख रुपये की लागत से उचित मूल्य की दुकान का निर्माण कराया जाएगा।

अनमोल दावा

> सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, इसके लिए कड़ी मेहनत ज़रूरी है।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें।

भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां ङ्क जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड ङ्क ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं।

भारत की 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं।

हालांकि, स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में वित्त पोषण सबसे अहम तत्वों में से एक बना रहेगा। कई विकासशील देशों में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, लेकिन इन संभावनाओं को बड़े पैमाने पर लागू करने तथा बैंक से ऋण पाने योग्य परियोजनाओं में बदलने हेतु सस्ती और दीर्घकालिक पूंजी की जरूरत होती है।

आने वाले वर्षों में नवीकरणीय ऊर्जा, वितरण संबंधी बुनियादी ढांचा, ग्रिड के आधुनिकीकरण, भंडारण प्रणाली और कम ऊर्जा खर्च करने वाली तकनीकों में निवेश बेहद जरूरी होगा। न्यू डेवलपमेंट बैंक जैसे संस्थान वित्त पोषण, तकनीक संबंधी साझेदारी और क्षमता विकास के जरिए विकासशील देशों की मदद करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी तकनीकों के लिए सुदृढ़ एवं विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सुरक्षित, सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा प्रणालियां सुनिश्चित करने हेतु मैन्यूफैक्चरिंग, तकनीक, नवाचार और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना जरूरी होगा।

विकसित भारत की राह में जनसंख्या संतुलन का प्रश्न

-: ललित गर्ग-

आज विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष

प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- ''युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं को साकार करना-आज और भविष्य के लिए।'' यह विषय स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य केवल उसकी जनसंख्या के आकार से नहीं, बल्कि उस जनसंख्या की गुणवत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और अवसरों से निर्धारित होता है। भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी वाला देश है। यह स्थिति एक ओर विशाल मानव संसाधन का अवसर प्रस्तुत करती है, तो दूसरी ओर संसाधनों, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और पर्यावरण पर अभूतपूर्व दबाव भी उत्पन्न करती है। इसलिए विश्व जनसंख्या दिवस भारत के लिए केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि गंभीर आत्ममंथन का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर छोटे परिवार के महत्व पर बल देते हुए कहा है कि जो परिवार स्वेच्छा से परिवार नियोजन अपनाते हैं, वे राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनका यह संदेश बताता है कि जनसंख्या संतुलन किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे देश के सतत विकास का विषय है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभिन्न पदाधिकारियों ने भी समय-समय पर यह कहा है कि जनसंख्या नीति सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए तथा इसका उद्देश्य किसी समुदाय को लक्ष्य बनाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित, संसाधनों के संतुलित उपयोग और सामाजिक समरसता को सुनिश्चित करना होना चाहिए।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास'' का मंत्र तभी पूरी तरह साकार हो सकता है, जब विकास की गति और जनसंख्या वृद्धि के बीच संतुलन स्थापित हो। यदि जनसंख्या अनियंत्रित गति से ब?ती रहे और संसाधनों का विस्तार उसी अनुपात में न हो, तो विकास की उपलब्धियां भी पर्याप्त सिद्ध नहीं होंगी। रोजगार के अवसर सीमित होंगे, कृषि योग्य भूमि सिकुड़ेगी, जल संकट गहराएगा, महानगरों पर दबाव ब?ेगा और पर्यावरणीय असंतुलन गंभीर होता जाएगा। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि जनसंख्या संबंधी विमर्श तथ्यों, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर आधारित हो। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है और जनसंख्या नीति का उद्देश्य भी समान रूप से सभी नागरिकों पर लागू होने वाला, न्यायसंगत एवं पारदर्शी ढांचा होना चाहिए। परिवार नियोजन, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, विवाह की उपयुक्त आयु, आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन-जागरूकता ऐसे उपाय हैं, जिनसे बिना किसी भेदभाव के जनसंख्या स्थिरीकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। विश्व के अनेक अनुभव बताते हैं कि जैसे-जैसे शिक्षा, विशेषकर महिला शिक्षा और आर्थिक विकास बढ़ता है, वैसे-वैसे प्रजनन दर स्वाभाविक रूप से घटती है।

भारत के सामने एक अन्य गंभीर चुनौती अवैध घुसपैठ की भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में यदि अवैध रूप से लोगों का प्रवेश होता है और वे बिना वैधानिक प्रक्रिया के देश में बस जाते हैं, तो इससे राष्ट्रीय सुरक्षा, संसाधनों के वितरण तथा जनसांख्यिकीय संतुलन पर प्रभाव पड़ सकता है। यह विषय जनसंख्या नियंत्रण से अलग, कानून व्यवस्था और सीमा सुरक्षा का प्रश्न है। अतः सीमा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना, अवैध प्रवासन पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा नागरिकता संबंधी कानूनों का निष्पक्ष पालन सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह मुद्दा किसी धर्म या समुदाय के विरुद्ध नहीं, बल्कि कानून के शासन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। भारत को यह भी समझना होगा कि केवल कठोर कानून बना देना पर्याप्त नहीं होगा। चीन ने अपने समय में एक-संतान नीति अपनाई, लेकिन बाद में बदलती परिस्थितियों के कारण उसे वापस लेना पड़ा। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था चीन से भिन्न है। इसलिए भारत के लिए अधिक उपयुक्त मार्ग वह होगा जिसमें कानून के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, स्वैच्छिक सहभागिता, शिक्षा और सकारात्मक प्रोत्साहन को प्राथमिकता दी जाए। छोटे परिवारों को प्रोत्साहन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकता है।

पिछले एक वर्ष के आंकड़े बताते हैं कि विश्व की जनसंख्या लगभग 8.19 अरब से बढ़कर 8.30 अरब हो गई है, अर्थात एक वर्ष में लगभग 6.9 करो? लोगों की वृद्धि हुई है, जो लगभग 0.83 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाती है। दूसरी ओर भारत की जनसंख्या 1.45 अरब से बढ़कर लगभग 1.47 अरब हो गई है, यानी एक वर्ष में लगभग 1.25 करोड़ लोग और जुड़ गए। भारत की जनसंख्या वृद्धि दर 0.87-0.89 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से थोड़ी अधिक है। भारत विश्व की कुल आबादी का लगभग 17.8 प्रतिशत हिस्सा रखता है। इतनी विशाल जनसंख्या के कारण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, ऊर्जा, कृषि भूमि और पर्यावरण पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। यदि जनसंख्या वृद्धि और विकास के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया गया, तो विकसित भारत का लक्ष्य अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। इसलिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनसंख्या स्थिरीकरण, मानव संसाधन विकास और संसाधनों के संतुलित नियोजन को भी समान प्राथमिकता देनी होगी।

भारत में जनसंख्या का प्रश्न केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक विमर्श का भी विषय बन गया है। जातिगत जनगणना और विभिन्न जाति-समुदायों की जनसंख्या को लेकर राजनीतिक दल अक्सर अपने-अपने वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति अपनाते दिखाई देते हैं। अनेक विश्लेषकों का मानना है कि यदि जनसंख्या के आंकड़ों का उपयोग केवल राजनीतिक ध्रुवीकरण या चुनावी लाभ के लिए किया जाएगा, तो यह राष्ट्रीय एकता और समावेशी विकास की भावना के विपरीत होगा। इसके विपरीत, चीन ने अपनी परिस्थितियों के अनुरूप लंबे समय तक कठोर जनसंख्या नियंत्रण नीति अपनाकर जनसंख्या वृद्धि पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया, यद्यपि बाद में बदलती जनसांख्यिकीय चुनौतियों के कारण उसने उस नीति में संशोधन भी किया। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था अलग है, इसलिए यहां समाधान कठोर दमनात्मक उपायों के बजाय समान रूप से लागू होने वाली जनसंख्या नीति, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, परिवार नियोजन, जन-जागरूकता और कानून के निष्पक्ष अनुपालन में निहित है। जनसंख्या के प्रश्न को जाति, धर्म या वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठाकर राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संतुलन और भविष्य की पीढ़ियों के हित के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम भी इसी दिशा में संकेत करती है कि यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं जिम्मेदार नागरिक बनकर संतुलित परिवार और सतत विकास की दिशा में योगदान देंगे। भारत की लगभग आधी आबादी युवा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश तभी राष्ट्र की शक्ति बनेगा, जब यह शिक्षित, कुशल, स्वस्थ और आत्मनिर्भर होगा। अन्यथा यही विशाल युवा आबादी बेरोजगारी, असंतोष और सामाजिक चुनौतियों का कारण भी बन सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि देश में एक व्यापक, वैज्ञानिक और सर्वसम्मत राष्ट्रीय जनसंख्या नीति पर गंभीर विचार किया जाए। ऐसी नीति में समानता, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। इसके साथ ही जनसंख्या संबंधी किसी भी चर्चा में सामाजिक सौहार्द, तथ्यपरक विश्लेषण और जिम्मेदार सार्वजनिक विमर्श बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी प्रकार की अतिरंजना या विभाजनकारी दृष्टिकोण समाधान नहीं, बल्कि नई समस्याओं को जन्म दे सकता है।

विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा। इसके लिए जनसंख्या और संसाधनों के बीच संतुलन, मानव पूंजी में निवेश, महिलाओं का सशक्तिकरण, युवाओं को अवसर, प्रभावी सीमा प्रबंधन और दीर्घकालिक राष्ट्रीय नीति-इन सभी का समन्वित प्रयास आवश्यक है। यदि भारत समय रहते जनसंख्या संतुलन, मानव विकास और संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग की दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो वर्ष 2047 तक विकसित, समृद्ध, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का लक्ष्य अधिक यथार्थ रूप में साकार हो सकेगा। जनसंख्या केवल संख्या नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति है, बशर्ते वह शिक्षित, स्वस्थ, अनुशासित, उत्पादक और संतुलित हो। यही विश्व जनसंख्या दिवस का वास्तविक संदेश है।

लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज
दिल्ली-110092, मो. 9811051133

क्या अपने बच्चों की तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट करनी चाहिए ?

सोशल मीडिया आजकल हर किसी की लाइफ का जरूरी हिस्सा बन गया है. लगभग हर माता-पिता अपने बच्चों की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं. बच्चे की पहली मुस्कान, पहला कदम, पहला बर्थडे, स्कूल का पहला दिन हो या कोई मजेदार पल, लोग खुशी-खुशी इंटरनेट पर पोस्ट कर देते हैं. लेकिन क्या ऐसा करना सही है? इसे लेकर फेमस पेरेंटिंग कोच रिद्धि देवराह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर की है. से वीडियो से होती है. उस पोस्ट पर लोगों के लाइक और अच्छे कमेंट आते हैं. इससे माता-पिता को खुशी मिलती है और फिर वे बच्चों की और भी फोटो और वीडियो पोस्ट करने लगते हैं. धीरे-धीरे बच्चा सोशल मीडिया का एक बड़ा हिस्सा बन जाता है. अब, पहली नजर में तो ये सब नॉर्मल लगता है, लेकिन इसका असर बच्चे पर भी पड़ सकता है.

पेरेंटिंग कोच बताती हैं, बच्चे बहुत जल्दी नई चीजें सीखते हैं. अगर उन्हें बार-बार कैमरे के सामने लाया जाता है, तो उनके मन में यह बात बैठ सकती है कि जब वे क्यूट दिखते हैं, मजेदार बातें करते हैं या लोगों का मनोरंजन करते हैं, तभी उन्हें ज्यादा प्यार, तारीफ और ध्यान मिलता है. ऐसे में धीरे-धीरे वे अपनी खुशी के लिए नहीं, बल्कि कैमरे और लोगों के रिएक्शन के लिए काम करने लगते हैं. यह आदत आगे चलकर उनके कॉन्फिडेंस और सोच पर असर डाल सकती है.आसान भाषा में समझें तो अक्सर ऐसा होता है कि बच्चा खेल रहा होता है या अपनी मस्ती में कुछ कर रहा होता है. तभी माता-पिता कहते हैं, 'एक बार फिर से ऐसा करो, वीडियो बनानी है' या 'कैमरे की तरफ देखकर बोलो.' धीरे-धीरे हर छोटी-बड़ी बात रिकॉर्ड होने लगती है और ऐसा होने पर बच्चा उस पल का मजा लेने की बजाय बस कैमरे के लिए वो काम करने लगता है.

आगे चलकर बच्चा हो सकता है शर्मिंदा

रिद्धि देवराह का कहना है कि जो वीडियो या फोटो आज माता-पिता को बहुत मजेदार लग रही है, वही बच्चा बड़ा होने पर देखकर असहज या शर्मिंदा भी महसूस कर सकता है.

फिर क्या करें?

पेरेंटिंग कोच के मुताबिक, सोशल मीडिया पर डाली गई चीजें लंबे समय तक इंटरनेट पर मौजूद रह सकती हैं. इसलिए किसी भी फोटो या वीडियो को पोस्ट करने से पहले यह जरूर सोचें कि क्या भविष्य में आपका बच्चा इसके साथ सहज महसूस करेगा. खुद से सवाल करें कि 'जब मेरा बच्चा बड़ा होगा, तो वह खुद की ये फोटो या वीडियो देखकर क्या सोचेगा?' या वो खुद को इस तरह देखना पसंद करेगा?

अगर इस सवाल का जवाब पूरे भरोसे के साथ 'हां' नहीं है, तो उस पोस्ट को शेयर करने से पहले दोबारा जरूर सोचें. हर खूबसूरत याद को इंटरनेट पर डालना जरूरी नहीं होता है.

बच्चे की प्राइवेसी का रखें ध्यान

हर बच्चे को अपनी निजी जिंदगी का अधिकार है. वह अभी इतना बड़ा नहीं होता कि खुद तय कर सके कि उसकी कौन-सी फोटो या वीडियो दुनिया के सामने जाए और कौन-सी नहीं. ऐसे में यह जिम्मेदारी माता-पिता की होती है कि वे बच्चे की प्राइवेसी का ध्यान रखें. बच्चों को सबसे ज्यादा जरूरत प्यार, सुरक्षित माहौल और खुशहाल बचपन की होती है, न कि सोशल मीडिया पर पहचान बनाने की. हर पल को कैमरे में कैद करने की बजाय उसे खुलकर जीना भी उतना ही जरूरी है.

इसलिए अगली बार जब आप अपने बच्चे की कोई फोटो या वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने जाएं, तो एक मिनट रुककर जरूर सोचें. यह छोटा-सा फैसला आपके बच्चे की प्राइवेसी, आत्मसम्मान और भविष्य- तीनों के लिए बेहतर साबित हो सकता है.

सामयिक चर्चा

स्वार्थ की राजनीति

अखबार हाथ में लेकर,
बानी बोले 'सुनिए गजाधर !'
आज की ताजा खबर यार
टीएमसी के तीन पूर्व राज्यसभा सांसद
सुखेन्द्र शेखर राय, सुष्मिता देव
और प्रकाश चिकबड़ाइक
टीएमसी से इस्तीफा देकर
शामिल हुए भाजपा में और वे अब है,
भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार
गजाधर! इस पर मैं आपसे पूछता हूँ -
पश्चिम बंगाल में अगर
ममता बनर्जी की टीएमसी जीत जाती,
और फिर से सत्ता में आती,
तो क्या ये पूर्व सांसद
टीएमसी से इस्तीफा देते
और भाजपा ज्वाइन कर लेते!'
गजाधर मुस्कराए, बोले -
बानी! कतई नहीं।
देखो, एक तो मनुष्य स्वार्थी होता ही है
फिर राजनीति में नेता तो
अपना दिल-दिमाग दिन-रात
स्वार्थ में ही खोता है।
तो जब वह देखता है कि उसकी पार्टी
चुनाव हारकर अब 'अनाथ' हो गई है
यानी उसकी सत्ता खो गई है
तब उसका स्वार्थी मन
उसे सही समय में सही सलाह देता है
और फिर वह तुरन्त सनाथ पार्टी
यानी सत्ता पार्टी ज्वाईन कर लेता है।
बानी! इसमें कोई
आश्चर्य की बात नहीं है
स्वार्थ की राजनीति आज यही है।

शुक्रवार 10 जुलाई 2026

गिरीश बख्शी

राशिफल

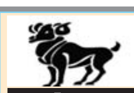

मेष

मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नये बदलाव लाने वाला है। आज कार्यभार अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना अधिक प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा और आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

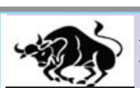

वृष राशि

वृष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के प्रयासों में काफी हद तक सफलता मिलेगी। आज कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लें। जमीन से जुड़ा आज बड़ा मामला सुलझ जाएगा।

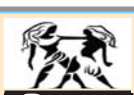

मिथुन

मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम बड़े भाई की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है।

कर्क

कर्क राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें। पारिवारिक फैसले लेते समय अपनी भावनाओं पर काबू रखें। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे।

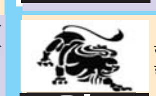

सिंह

सिंह राशि वालों आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सीक्रेट रखें, तो सफलता जरूर हासिल होगी। पूर्व निर्धारित काम आज पूरे हो जाएंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। आज फालतू की शॉपिंग करने से बचें, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहे।

कन्या

कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी। आज आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है। किसी नये काम की शुरुआत करना आपके लिये फायदेमंद रहेगा।

तुला

तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। सोशल मीडिया या फोन कॉल के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है। किसी काम से आज आपको बहुत बड़ा फायदा होने वाला है। साथ ही अधूरा काम पूरा हो जाएगा।

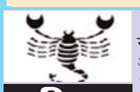

वृश्चिक

वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे, तो आपको फायदा जरूर होगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आएंगे।

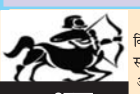

धनु

धनु राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मनपसंद तोहफा मिल सकता है। आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे हैं, तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज थोड़ा आलस्य महसूस हो सकता है।

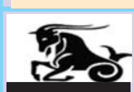

मकर

मकर राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। कारोबारी मामलों में व्यस्तता रहेगी और व्यवसाय में मन मुताबिक गति आएगी। आज आप काम के प्रति सचेत रहें।

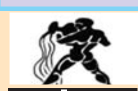

कुंभ

कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपति को आज किसी सामाजिक समारोह में जाना पड़ सकता है, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा। किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है।

मीन

मीन राशि वालों आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी मजाक होगा। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें, वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जाएगा।

डोंगरगढ़ के खिलाड़ियों को मिले आधुनिक खेल सुविधाएं, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से मिला प्रतिनिधिमंडल

नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे ने खेल अधोसंरचना के विकास की मांग को रखा प्रमुखता से, राजपूत समाज भवन के लिए 15 लाख रुपये की सहायता का मिला आश्वासन

डोंगरगढ़ (दावा)। धार्मिक एवं ऐतिहासिक नगरी डोंगरगढ़ आज केवल मां बम्लेश्वरी की पावन नगरी के रूप में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभाओं की उभरती हुई भूमि के रूप में भी अपनी विशेष पहचान बना रही है। नगर के युवा खिलाड़ी पिछले कुछ वर्षों से लगातार विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला, संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर रहे हैं। अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के दम पर उन्होंने डोंगरगढ़ तथा पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। इसके बावजूद नगर में आधुनिक खेल अधोसंरचना, प्रशिक्षण केंद्र, इंडोर एवं आउटडोर खेल परिसर, रनिंग ट्रैक, जिम, खेल उपकरण तथा प्रशिक्षकों जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। इन्हीं महत्वपूर्ण मांगों को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे के नेतृत्व में डोंगरगढ़ का एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह से सौजन्य मुलाकात करने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नगर की खेल गतिविधियों, खिलाड़ियों की उपलब्धियों तथा खेल सुविधाओं की वर्तमान स्थिति से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि डोंगरगढ़ के खिलाड़ी एथलेटिक्स, कराटे जिजिसु कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल सहित अनेक खेलों में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कई खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पदक और सम्मान प्राप्त किए हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों का प्रदर्शन यह साबित करता है कि यदि उन्हें आधुनिक सुविधाएं और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए तो वे अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने डॉ. रमन सिंह से आग्रह किया कि डोंगरगढ़ में एक आधुनिक खेल परिसर, बहुउद्देशीय इंडोर स्टेडियम, सुसज्जित खेल मैदान, रनिंग ट्रैक, खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र, नियमित प्रशिक्षकों की नियुक्ति तथा आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनेक खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। जिससे समय और आर्थिक संसाधनों दोनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। यदि ये सुविधाएं डोंगरगढ़ में विकसित हो जाएं तो क्षेत्र के हजारों युवाओं को अपने ही नगर में गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिल सकेगा और खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी।

डॉ. रमन सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि डोंगरगढ़ में खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियां पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने माना कि खिलाड़ियों को बेहतर अधोसंरचना उपलब्ध कराना आवश्यक है, ताकि उनकी प्रतिभा को उचित मंच मिल सके। उन्होंने आश्वासन दिया कि खेल सुविधाओं के विकास के संबंध में संबंधित विभाग से शीघ्र पत्राचार किया जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर इस विषय को विधानसभा में भी प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार खिलाड़ियों के हित में सकारात्मक निर्णय लेने का प्रयास करेगी। मुलाकात के दौरान डोंगरगढ़ राजपूत समाज के प्रतिनिधियों ने समाज भवन निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग की मांग भी रखी। समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक कार्यक्रमों के संचालन के लिए लंबे समय से एक व्यवस्थित समाज भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए डॉ. रमन सिंह ने समाज भवन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस घोषणा के बाद प्रतिनिधिमंडल एवं समाज के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार जताया।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि डोंगरगढ़ में खेल सुविधाओं का विकास केवल खिलाड़ियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के युवाओं के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा। बेहतर खेल अधोसंरचना तैयार होने से अधिक से अधिक युवा खेलों की ओर आकर्षित होंगे। नशामुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डोंगरगढ़ की पहचान और मजबूत होगी। मुलाकात के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रमन डोंगरे, नगर पालिका उपाध्यक्ष उमामहेश वर्मा, सभापति अमित जैन, जिला खेल संघ अध्यक्ष विवेक मोनू भंडारी, खेल शिक्षक राणा अजय सिंह तथा डोंगरगढ़ राजपूत समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके सकारात्मक प्रयासों से डोंगरगढ़ में खेल अधोसंरचना के विकास को नई गति मिलेगी और आने वाले समय में यहां के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे।

'मैं तुमको कल भी नहीं मानता था और आज भी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नहीं मानता' - भोलाराम

○ विधायक एवं ब्लॉक अध्यक्ष के बीच हुई तकरार
○ जिला कांग्रेस की मासिक बैठक में जमकर हंगामा

छुरिया (दावा)। जिला कांग्रेस की मासिक बैठक में कल छुरिया में जमकर हंगामा हुआ। बैठक के दौरान कांग्रेस के स्थानीय विधायक तथा ब्लॉक अध्यक्ष के बीच जमकर आरोप प्रत्यारोप हुआ ।

जहां विधायक भोलाराम साहू ने कहा कि मैं तुमको कल भी नहीं मानता था और आज भी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नहीं मानता । जिससे हंगामें की स्थिति निर्मित हो गई । कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने किसी तरह मामले को शांत कराया। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर पंचायत छुरिया के साहू धर्मशाला में मासिक बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के जिला एवं ब्लाक के पदाधिकारी उपस्थित थे। जहां ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू ने जिला कांग्रेस कमेटी के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए कहा कि विधायक भोलाराम साहू जब क्षेत्र के दौरे पर रहते हैं। तब उनके द्वारा उस क्षेत्र के सेक्टर प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, एवं बूथ अध्यक्ष को जानकारी नहीं दी जाती। जिससे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की पूछ परख नहीं होने से नाराज होकर उनसे पूछते हैं। जब विधायक द्वारा उन्हें पूछा ही नहीं जाता तो उन्हें बनाकर क्यों रखा गया है। मासिक बैठक में जिला ग्रामीण कांग्रेस महामंत्री पंकज बांधव द्वारा इस पर विधायक भोलाराम साहू से चर्चा की गई तो वे भड़क गए और उन्होंने कहा कि इसकी शिकायत किसने की है, तो बांधव ने कहा कि जिले की बैठक में धर्मेन्द्र साहू ने की थी। इस पर विधायक एवं ब्लॉक अध्यक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप होने लगा। जिले के सभी पदाधिकारियों के समक्ष भोलाराम साहू ने ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू को कहा कि मैं तुमको कल भी नहीं मानता था और आज भी ब्लॉक अध्यक्ष नहीं मानता। बैठक में हंगामा बढ़ता देख कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने दोनों पक्षों को समझाईश देते हुए किसी तरह मामला को शांत कराया। तब जाकर जिला कांग्रेस की मासिक बैठक संपन्न हो पाई।

इस बैठक में जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष विपिन यादव, खुज्जी कांग्रेस विधायक भोलाराम साहू, पूर्व विधायक श्रीमती छन्नी साहू, जिला कांग्रेस महामंत्री पंकज बांधव, चुम्मन साहू, राहुल तिवारी, जितेन्द्र सिंह भाटिया, यातिन खान, अमित उइके, राजू सिंह राजपूत,बलीराम साहू, श्रीमती सीमा यादव, श्रीमती राजकुमारी सिन्हा, धर्मेन्द्र साहू, प्रदीप पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी बैठक उपस्थित थे।

> 'ऐसी कोई बात नहीं थी, दोनों के बीच सुलह कराकर मामला शांत करा लिया गया है।'
>
> **- विपिन यादव, अध्यक्ष जिला ग्रामीण कांग्रेस राजनांदगांव**

सरदार पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए ऑनलाइन प्रविष्टियां 31 तक

राजनांदगांव (दावा)। गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भारत की एकता और अखंडता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से सरदार पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 के लिए 31 जुलाई तक ऑनलाइन के माध्यम से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई है। सरदार पटेल राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक पोर्टल www.awards.gaæv.in पर ऑनलाईन प्रविष्टि प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जिला कार्यालय समाज कल्याण विभाग कलेक्टोरेट परिसर कंपोजिट बिल्डिंग कक्ष क्रमांक 5 राजनांदगांव से प्राप्त की जा सकती है।

घुमका नगर पंचायत : बस स्टैंड पर अनियंत्रित पार्किंग से व्यापारी परेशान, सालभर से बसों का आना भी बंद

अव्यवस्थित पार्किंग बनी मुसीबत, कारोबार पर पड़ रहा बुरा असर, ग्राहकों और दुकानदारों ने कहा- जल्द हो समस्या का समाधान

घुमका (दावा)। नगर पंचायत घुमका के मुख्य बस स्टैंड क्षेत्र में इन दिनों अव्यवस्था का आलम है। बस स्टैंड परिसर में हो रही अनियंत्रित और अनचाही पार्किंग स्थानीय व्यापारियों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है। पार्किंग की इस अराजकता के कारण पूरे बाजार क्षेत्र की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है। जिसका सीधा और विपरीत असर यहां के स्थानीय कारोबार पर पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण अब पानी सिर से ऊपर जा चुका है और वे इस समस्या का तत्काल स्थायी समाधान चाहते हैं।

साल भर से नहीं आ रही बसें, स्टैंड बना सिर्फ पार्किंग जोन

इस पूरे मामले का एक और चिंताजनक पहलू यह है कि पिछले एक साल से मुख्य बस स्टैंड में बसों का आना पूरी तरह से बंद है। बसों के नहीं आने के कारण जहां एक ओर यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सूने पड़े स्टैंड परिसर का उपयोग लोग अनियंत्रित रूप से अपने निजी वाहनों को खड़ा करने के लिए कर रहे हैं। बस स्टैंड क्षेत्र में चारों तरफ बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के कारण यह जगह केवल एक अव्यवस्थित पार्किंग जोन बनकर रह गई है।

ग्राहकों और व्यापारियों को हो रही भारी दिक्कत

व्यापारियों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि अव्यवस्थित ढंग से खड़े दोपहिया और चार पहिया वाहनों के कारण दुकानों के सामने जगह ही नहीं बचती। मुख्य मार्ग और दुकानों के सामने जाम की स्थिति निर्मित होने से ग्राहक बाज़ार आने से कतराने लगे हैं। ग्राहकों को गाड़ियां खड़ी करने की जगह नहीं मिलती है। जिससे वे बिना खरीदारी किए लौट जाते हैं। इसके चलते व्यापारियों का दैनिक व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि त्योहारों और सीजन के समय भी इस अराजकता के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

व्यापारियों की मांग

घुमका के पीड़ित व्यापारियों और प्रबुद्ध नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन और स्थानीय पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। समस्या के निराकरण के लिए निम्नलिखित सुझाव और मांगें रखी गई हैं। जिसमें नगर पंचायत द्वारा वाहनों को खड़ा करने के लिए एक निश्चित और व्यवस्थित नो पार्किंग व पार्किंग जोन का निर्धारण किया जाए। पिछले एक साल से बंद पड़ी बसों की आवाजाही को बस स्टैंड के भीतर पुनः अनिवार्य रूप से शुरू कराया जाए, ताकि स्टैंड का मूल स्वरूप बहाल हो सके। दुकानों के सामने या बीच सड़क पर बेतरतीब वाहन पार्क करने वालों के खिलाफ यातायात पुलिस द्वारा सख्त चालानी कार्रवाई की जाए। व्यापारियों ने दो टूक कहा है कि यदि नगर पंचायत प्रशासन ने इस गंभीर समस्या पर जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो वे अपनी दुकानों को बंद कर उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

महिला से छेड़छाड़ और घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

डोंगरगढ़ (दावा)। डोंगरगढ़ थाना के अंतर्गत आने वाली मोहारा चौकी पुलिस ने क्षेत्र में एक महिला के साथ छेड़छाड़, घर में घुसकर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने वाले तीन आरोपियों को धर दबोचा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मोहारा चौकी पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि गत 19 जून की रात्रि लगभग 9 बजे ग्राम ठेकवा निवासी आरोपी ईश्वर साहू, अनीता साहू एवं निर्मल साहू उसके घर में जबरन प्रवेश कर गए। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए पीड़िता के परिवार पर आपत्तिजनक आरोप लगाए। इसी दौरान आरोपी ईश्वर साहू ने पीड़िता का हाथ पकड़कर उसकी साड़ी खींची (छेड़छाड़ की) तथा अन्य आरोपियों ने बीच-बचाव करने आए परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 356/2026 अंतर्गत भारतीय न्याय संहिता की धारा 333, 296, 74, 351, 115(1), 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की थी।

महिला संबंधी अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाई। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। गवाहों के बयान दर्ज किए और साक्ष्य जुटाए। पर्याप्त सबूत मिलने के बाद पुलिस ने शुक्रवार 10 जुलाई को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस हिरासत में लिए गए और अदालत के आदेश पर जेल भेजे गए आरोपियों की पहचान इस प्रकार की गई है। जिसमें ईश्वर साहू निवासी ग्राम ठेकवा चौकी मोहारा, अनीता साहू निवासी ग्राम ठेकवा चौकी मोहारा, निर्मल साहू निवासी ग्राम ठेकवा चौकी मोहारा है। मोहारा चौकी प्रभारी ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वनांचल और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ इसी तरह कठोर और प्रभावी वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

अंतराष्ट्रीय मंच पर लहराया तिरंगा : खड़गांव की बेटी गीतांजली चौधरी ने ताईक्कांडो में जीता स्वर्ण पदक

नेपाल में आयोजित प्रतियोगिता में जीता गोल्ड और सिल्वर, वतन वापसी पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने किया ऐतिहासिक स्वागत

मोहला (दावा)। आदिवासी अंचल की होनहार बेटी कुमारी गीतांजलि चौधरी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए नेपाल में आयोजित ताइक्कांडो मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में स्वर्ण एवं रजत पदक अपने नाम किया है। गीतांजलि ने इस ऐतिहासिक दोहरी सफलता से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले, छत्तीसगढ़ प्रदेश और देश का नाम वैश्विक पटल पर गौरवान्वित किया है। ग्राम खड़गांव निवासी तरुण चौधरी की सुपुत्री एवं गजानंद चौधरी की पोती कुमारी गीतांजलि ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पोखरा (नेपाल) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ताइक्कांडो मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था।

छह देशों के खिलाड़ियों को पछाड़कर चूमा आसमान

प्रतियोगिता में गीतांजलि ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए क्योरगी (फाइट) स्पर्धा में स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) तथा प्योंसी (पुमसे) स्पर्धा में रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीता। गौरतलब है कि क्योरगी प्रतियोगिता में भारत, नेपाल, श्रीलंका, भूटान, बांग्लादेश और ब्राजील सहित छह देशों के दिग्गज खिलाडियों ने हिस्सा लिया था। गीतांजलि ने सभी मुकाबलों में उत्कृष्ट तकनीक और आक्रामकता का प्रदर्शन करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया और फाइनल में एकतरफा जीत दर्ज कर भारत का गौरव बढ़ाया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में तिरंगा लहराकर जब गीतांजलि अपने गृह ग्राम खडग़ांव पहुंचीं तो पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल हो गया। ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पुष्पवर्षा कर अपनी लाड़ली बेटी का भव्य विजय जुलूस निकाला। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर गीतांजलि को मिठाई खिलाई और बधाई दी।

ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करेगी अंचल की बेटी : विधायक मंडावी

स्वागत समारोह में क्षेत्र के विधायक इंद्रशाह मंडावी, ब्लॉक अध्यक्ष मानपुर बालचंद कोरेटी, जनपद अध्यक्ष पुष्पा मंडावी, कृषि सभापति सईदा खान, नरेंद्र देशमुख, तोमन साहू, निरीक्षक गणेश यादव, मानसिंह टेकाम तथा हरिभूमि के संवाददाता विजय मित्तल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक इंद्रशाह मंडावी ने कहा कि आदिवासी अंचल की बेटियां प्रतिभा और साहस में किसी से कम नहीं हैं।

गीतांजलि की सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने गीतांजलि की माता के प्रोत्साहन की सराहना करते हुए कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि यदि इसी प्रकार मेहनत और समर्पण जारी रहा, तो गीतांजलि भविष्य में ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश के लिए पदक जीतेंगी। गीतांजलि चौधरी की यह वैश्विक उपलब्धि पूरे वनांचल के लिए गर्व का विषय बन गई है। जो क्षेत्र के अन्य खिलाड़ियों को भी अपने सपनों को साकार करने की नई ऊर्जा देगी।

पुनर्वास सहायता मिलने पर धीरेन्द्र साहू ने शासन-प्रशासन का जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व डॉ. रमन के सार्थक पहल पर वर्षों बाद नक्सल पीड़ितों को मिला न्याय

डोंगरगढ़ (दावा)। विगत अनेक वर्षों से नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उनके अधिकारों की मांग को लगातार उठाने वाले धीरेन्द्र साहू के प्रयासों को उस समय बड़ी सफलता मिली जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व डॉ रमन की सार्थक पहल पर अविभाजित राजनांदगांव जिले के 15 नक्सल प्रभावित परिवारों के लिए 60 लाख रुपये की पुनर्वास सहायता राशि की स्वीकृत प्राप्त हुई। सहायता मिलने पर धीरेंद्र साहू ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

धीरेन्द्र साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय व डॉ रमन की सार्थक पहल पर शासन की संवेदनशील सोच और जिला प्रशासन की सक्रियता के चलते वर्षों से उपेक्षित परिवारों को सम्मान और नई उम्मीद मिली है। उन्होंने राजनांदगांव जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, कलेक्टर तथा पुनर्वास समिति का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से यह महत्वपूर्ण निर्णय संभव हो सका।

उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित परिवारों की समस्याओं को शासन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने लगातार संघर्ष किया, विभिन्न स्तरों पर मांग उठाई और पीड़ितों की आवाज बनने का प्रयास किया। इस सकारात्मक पहल से प्रभावित परिवारों का सरकार पर विश्वास और मजबूत होगा तथा वे सम्मानपूर्वक मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

नक्सल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के नेतृत्वकर्ता धीरेन्द्र साहू ने इस विषय को प्रमुखता से उठाने वाले मीडिया बंधुओं का भी विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया की सकारात्मक भूमिका ने पीड़ित परिवारों की आवाज शासन और प्रशासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई, जिससे पुनर्वास प्रक्रिया को गति मिली। उन्होंने विश्वास जताया कि शासन, प्रशासन और के सामूहिक प्रयासों से नक्सल प्रभावित परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

लापरवाह चालक की गलती का शिकार हुआ मंद बुद्धि बालक

मामला - अंडरब्रिज मार्ग पर हुए हृदय विदारक सड़क हादसे का

डोंगरगढ़(दावा)। वाहन चालक की लापरवाही के चलते शहर के 15 वर्षीय बालक की असमय मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना रात 8:00 बजे की बताई जा रही है। शहर के अंडर ब्रिज मार्ग पर खड़े बुधवारी पारा निवासी मंदबुद्धि बालक शाहरुख पिता नवीन खान उर्फ गोलू ,वाहन चालक की लापरवाही के चलते मौत के काल में समा गया। घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस द्वारा विवेचना जारी है।

नाबार्ड द्वारा ग्रामीण गरीब महिला को स्वरोजगार के लिए दिया मुवेबल कार्ट

राजनांदगांव (दावा) । जिले के राजनांदगांव विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सोमनी मे राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) छत्तीसगढ़ के वित्तीय सहयोग से संस्था प्रतिभा महिला एवं बाल विकास समिति, राजनांदगांव द्वारा ग्राम सोमनी के विद्या स्वयं सहायता समूह की गरीब महिला अनोखी बाई को एक चलित ठेला (मुवेबल कार्ट) स्वरोजगाार के उद्वेष्य से निःशुल्क प्रदान किया गया है।

नाबार्ड द्वारा प्रायोजित मूवेबल कार्ट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और उद्यमियों को आजीविका और स्वरोजगार के साधन प्रदान करना है। यह छोटे कारोबारियों के उत्पादों की पहुंच बढ़ाकर उनकी आय में वृद्धि करता है। जिससे ग्रामीण कारीगरों, किसानों और महिला उद्यमियों द्वारा बनाए गए उत्पादों की बिक्री सीधे व्यस्त स्थानों या बाजारों तक हो सके। इन मूवेबल कार्ट के माध्यम से जरूरतमंद ग्रामीण महिलाओं को स्थायी व्यापार मंच मिलता है। जिससे उनकी बिक्री बढ़ती है और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनते हैं। नाबार्ड के इस पहल से दूरदराज के क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों को सुविधाजनक और किफायती बुनियादी ढांचा प्रदान करके ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है। ग्राम सोमनी के विद्या स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में अत्यंत प्रसन्नता है कि नाबार्ड के माध्यम से उन्हे स्वरोजगाार के लिए बेहतरीन क्लालिटी का चलित मुवेबल कार्ट मिल गया है। विद्या स्वयं सहायता समूह सोमनी की महिला अनोखी बाई के पास स्वयं का कोई कार्ट (ठेला) नहीं था। वह किराये का कार्ट पर अंडा एवं फास्ट फूड का व्यवसाय करती थी। नाबार्ड द्वारा संस्था प्रतिभा महिला एवं बाल विकास समिति के माध्यम से अनोखी बाई को बेहतरीन क्लालिटी का मुवेबल कार्ट निःशुल्क प्रदान किया गया और साथ में शुरूआती सामान (स्टार्टअप किट) भी दिया गया है।

ग्राम सोमनी में नाबार्ड द्वारा अनोखी बाई को दिये गये मुवेबल कार्ट का उद्वघाटन 7 जुलाई को छत्तीसगढ नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक (चीफ जनरल मैनेजर) डी.के.गवली के कर कमलों से किया गया। मुवेबल कार्ट के उद्वघाटन समारोह में (नाबार्ड) छत्तीसगढ़ के सहायक प्रबंधक अनंत शिंदे, नाबार्ड राजनांदगांव के जिला विकास प्रबंधक मनोज कुमार नायक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुधीर सोनी, संस्था प्रतिभा महिला एवं बाल विकास समिति के अध्यक्ष एकलव्य तिवारी, संस्था जनकल्याण सामाजिक संस्थान के अध्सक्ष योगेन्द्र पगताप सिंह एवं विद्या स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

फीफा विश्व कप से पहले मोरक्को को बड़ा झटका, सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से बाहर

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं।

मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है। फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है। मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था। हम इस बारे में ज्यादा बात नहीं करते क्योंकि हम जानते हैं कि वे बस अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश कर रहे होते हैं।

वर्ल्ड कप के लिए तैयार टीम इंडिया, हर्ष मेहता बने भारतीय पिकलबॉल टीम के कप्तान

मुंबई। भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन कड़े ट्रायल और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद किया गया है। यह टीम प्रोफेशनल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी।

इस बार टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हर्ष मेहता को सौंपी गई है। हर्ष लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय पिकलबॉल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें हैं। हर्ष के साथ युवा खिलाड़ी अर्जुन सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। अर्जुन अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और उसी वर्ग की टीम की कप्तानी भी संभालेंगे। पुरुष टीम में हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोलियन और अमन पटेल को जगह मिली है। वहीं, महिला टीम में मिहिका यादव, आलिया इब्राहिम, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला को शामिल किया गया है। टीम के कप्तान हर्ष मेहता ने चयन के बाद खुशी जताते हुए कहा कि प्रतिभा मैच जिताती है, लेकिन एकजुट टीम ही चैंपियन बनाती है। उन्होंने कहा कि पूरी टीम अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है और उन्हें उम्मीद है कि भारत इस बार वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कप्तानी मिलने पर भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन का आभार भी जताया।

महिला टीम की खिलाड़ी पर्ल और नाओमी अमलसदीवाला ने पिछले एक साल में घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों ने महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कई टूर्नामेंटों में पदक जीते हैं। नाओमी अमलसदीवाला और अर्जुन सिंह की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में भारत की सबसे मजबूत जोड़ियों में मानी जा रही है। हाल के समय में इस जोड़ी ने विश्व रैंकिंग की शीर्ष टीमों को हराकर अपनी क्षमता साबित की है।

भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह भुल्लर ने कहा कि इस बार भारत के पास बेहद मजबूत और संतुलित टीम है। उन्होंने कहा कि हर्ष मेहता के नेतृत्व में अर्जुन, अनीश, अमन, आलिया, मिहिका, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला जैसे खिलाड़ियों के रहते भारत सिर्फ मुकाबला करने नहीं, बल्कि खिताब जीतने के इरादे से वियतनाम जाएगा।

बिजनापुर हादसा नहीं, बिजली विभाग की लापरवाही का परिणाम : विष्णु लोधी

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने ग्राम बिजनापुर में जर्जर बिजली पोल गिरने और करंट की चपेट में आने से 6 गौवंशों की दर्दनाक मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक घटना को भाजपा सरकार और बिजली विभाग की घोर लापरवाही का परिणाम बताया है। श्री लोधी ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए।

बार-बार दी गई थी सूचना, पर कुंभकर्णी नींद में सोया रहा विभाग

वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु लोधी ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम बिजनापुर के सजग नागरिकों द्वारा क्षेत्र के जर्जर हो चुके बिजली पोल को बदलने के लिए बिजली विभाग को कई बार लिखित और मौखिक रूप से शिकायतें दी गई थीं। इसके बावजूद विभाग कुंभकर्णी नींद सोया रहा और पोल नहीं बदला गया। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते बिजली विभाग ने अपनी शासकीय जिम्मेदारी निभाई होती, तो इन 6 बेजुबान गौवंशों की जान बचाई जा सकती थी। यह केवल एक सामान्य दुर्घटना नहीं है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही से की गई सामूहिक हत्या है, जिसकी जवाबदेही तय होना बेहद आवश्यक है।

6 गौवंशों की मौत पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता बिफरे, कहा- लगातार शिकायतों के बाद भी नहीं बदला जर्जर पोल, दर्ज हो एफआईआर

सरकार की कथनी और करनी में साफ अंतर : लोधी

विष्णु लोधी ने इस घटना को लेकर प्रदेश की सत्ताधारी दल पर भी तीखा जुबानी हमला बोला। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर निम्नलिखित सवाल खड़े किए। जिसमें एक ओर भाजपा सरकार गौ-सेवा और गौ-सुरक्षा की बड़ी-बड़ी बातें कर राजनीतिक लाभ लेती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। बिजली विभाग की लगातार जारी तकनीकी अनदेखी और मेंटेनेंस की कमी के कारण ग्रामीण अंचलों में आए दिन बेजुबान गौवंश अकाल मौत के मुंह में समा रहे हैं। उन्होंने शासन से मांग की है कि पीड़ित पशुपालक किसानों को उनके आर्थिक नुकसान का उचित मुआवजा तत्काल स्वीकृत किया जाए।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

उन्होंने अंत में कहा कि सरकार की कथनी और करनी का यह अंतर अब जनता के सामने साफ दिखाई दे रहा है। अंचल के किसान और पशुपालक इस लापरवाही से बेहद आहत हैं। यदि बिजली विभाग के दोषी कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ तत्काल दंडात्मक कार्रवाई और एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी ग्रामीणों और किसानों के साथ मिलकर बिजली दफ्तर का घेराव करने और उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

मोबाइल मेडिकल यूनिट से प्रयास आवासीय विद्यालय के बच्चों की हुई जांच

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में विद्यार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजनांदगांव के गौरव पथ स्थित प्रयास आवासीय विद्यालय में मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में विद्यालय के विद्यार्थियों का चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों का रक्तचाप, वजन, लंबाई, नेत्र परीक्षण, दंत परीक्षण तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही मौसमी बीमारियों की पहचान कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। जिन विद्यार्थियों को आगे की जांच या विशेष उपचार की आवश्यकता पाई गई। उन्हें संबंधित स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की सलाह दी गई।

चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद तथा मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। विद्यार्थियों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, हाथों की नियमित सफाई तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि नियमित स्वास्थ्य परीक्षण से विद्यार्थियों में बीमारियों की समय पर पहचान हो सकेगी तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी।

खैरागढ़ में उपद्रव कर शांति भंग करने वाले दो गिरफ्तार, पुलिस ने की प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

खैरागढ़ (दावा)। जिला के सी जी पुलिस टीम द्वारा जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में 9 जुलाई को थाना खैरागढ़ क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर दो व्यक्तियों द्वारा उपद्रव कर सार्वजनिक शांति भंग किए जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर थाना खैरागढ़ पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची तथा स्थिति को नियंत्रित किया।

जांच में मनीष यादव पिता अशोक यादव उम्र 26 वर्ष निवासी बरेठपारा खैरागढ़ एवं गोकुल जंघेल पिता देवदास जंघेल उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम सलिहा थाना खैरागढ़ द्वारा सार्वजनिक शांति भंग किए जाने की पुष्टि हुई। दोनों को समझाइश देने के बावजूद उनके उग्र व्यवहार तथा पुनः विवाद उत्पन्न करने की आशंका को देखते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उनके विरुद्ध धारा 170 तथा धारा 126, 135(3) भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिला केसीजी पुलिस टीम आमजन से अपील करती है कि आपसी विवाद, नशाखोरी एवं सार्वजनिक शांति भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहें। कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी विधिसम्मत एवं सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का वार्षिकोत्सव संपन्न राजनांदगांव की लखपति दीदियां राज्य स्तर पर सम्मानित

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान (एनआरएलएम) के तहत स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर साझा करने मासिक रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का प्रतिमाह के द्वितीय गुरूवार को दोपहर 2 बजे से राज्य के समस्त आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित किया जाता है। इस रेडियो कार्यक्रम का सफलतापूर्वक एक वर्ष पूर्ण होने पर 9 जुलाई को राज्य, संभाग, जिला स्तर पर दीदी के गोठ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में दीदी के गोठ के 12वें एपिसोड का प्रसारण दोपहर 2 बजे से किया गया। जिला स्तरीय दीदी के गोठ वार्षिकोत्सव कार्यक्रम अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, अन्य जिला पंचायत सदस्य, सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह सहित जनप्रतिनिधि, बिहान की लखपति दीदीयां, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

दीदी के गोठ मासिक रेडियो कार्यक्रम में राजनांदगांव जिले के ग्राम खैरा से चयनित लखपति दीदी श्रीमती ज्ञानेश्वरी निषाद एवं ग्राम सुकुलदैहान से चयनित लखपति दीदी श्रीमती रूखमणी साहू ने अपनी सफलता की कहानी साझा किया। श्रीमती ज्ञानेश्वरी निषाद ने अपने मध्यमवर्गीय परिवार में कृषि एवं मजदूरी से लेकर बिहान योजना के माध्यम से समूह में पुस्तक संचालन करने एवं कलेक्ट्रेट परिसर में राजबिहान रसोई संचालित करते हुए अपने लखपति बनने के सफर को बताया। इसी प्रकार श्रीमती रूखमणी साहू ने बताया कि एक सामान्य गृहणी के रूप में कार्य करते हुए बिहान योजना के तहत सद्डमूह से जुड़कर एफएलसीआरपी व बीमा सखी का कार्य प्रारंभ किया तथा फैंसी स्टेशनरी जनरल स्टोर्स, ग्रामीण गैस वितरक एवं सीएससी सेंटर के रूप में 4 से 5 आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। साथ ही उन्होंने दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम के 10वें एपिसोड में प्रसारित कार्यक्रम में सायबर फ्रॉड से बचाव एवं अपना ओटीपी अन्य व्यक्ति को साझा नहीं करने से संबंधित जानकारी से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं में जागरूकता आयी है। जिसके लिए श्रीमती रूखमणी साहू ने इस रेडियो कार्यक्रम के लिए शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया। रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान ज्ञानेश्वरी निषाद एवं रूखमणी साहू को उनके उत्कृष्ट आजीविकामूलक कार्यों हेतु प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार संभाग स्तर पर दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजनांदगांव जिले के ग्राम कुसमी की लखपति दीदी श्रीमती दिव्या निषाद ने मुख्यमंत्री से ऑनलाइन चर्चा करते हुए बिहान योजना के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियां करते हुए अपने लखपति बनने की कहानी साझा किया।

बांग्लादेश लौटेंगी शेख हसीना: गिरफ्तारी.....

है कि उन्होंने 2024 के छात्र-नेतृत्व वाले प्रदर्शनों के दौरान सरकारी कार्रवाई का आदेश दिया या प्रदर्शनकारियों की मौत को रोकने में विफल रहीं। इस फैसले में ट्रिब्यूनल ने केवल हसीना को ही नहीं, बल्कि उनके पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को भी मौत की सजा सुनाई है। वहीं, पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून को पांच साल की कैद की सजा दी गई है। इसके अलावा, ट्रिब्यूनल ने राज्य को शेख हसीना और असदुज्जमान खान कमाल की संपत्तियां जब्त करने का भी निर्देश दिया है। हसीना ने कहा कि वह वापस आकर सीधे न्यायिक अदालतों के सामने आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं। अब देखना यह होगा कि दिसंबर में उनकी संभावित वापसी बांग्लादेश की राजनीति में क्या नया मोड़ लाती है और सुरक्षा एजेंसियां इस पर क्या रुख अपनाती हैं।

स्पेन के जंगलों में लगी भीषण आग....

बचाने के लिए सुरक्षित ठिकानों की ओर भाग रहे हैं। हालांकि, इस अफरा-तफरी के बीच कुछ लोग आग की लपटों से खुद को बचा नहीं पाए और उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। प्रशासन ने लॉस गैलार्डोस के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले निवासियों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, बेदार के वन क्षेत्र से घिरे गांवों के लोगों को फिलहाल अपने-अपने घरों के भीतर ही सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है। अधिकारियों ने रोंगटे खड़े कर देने वाला खुलासा करते हुए बताया कि आग की लपटों के बीच घिरे हाईवे पर भागने का रास्ता न मिलने के कारण एक कार के भीतर ही चार लोगों की जलकर मौत हो गई। आशंका जताई जा रही है कि ये मृतक ब्रिटिश नागरिक थे, क्योंकि दुर्घटनाग्रस्त कार का स्टीयरिंग व्हील दाहिनी ओर था। इसके अलावा, सात अन्य लोग अपनी गाड़ियों को सड़क पर ही छोड़कर पैदल भागने की कोशिश में आग की चपेट में आ गए, जिनके शव बाद में बरामद किए गए। क्षेत्रीय सरकार के अनुसार, अब तक लगभग 600 लोगों को सुरक्षित ठिकानों पर स्थानांतरित किया जा चुका है। इनमें से 120 लोगों को देर रात बेहद संवेदनशील इलाकों से निकाला गया। रेस्क्यू किए गए लोगों में अल्मोकैजार, फुएंते डेल अल्बारिको, लॉस पिनोस, ला सेरेना और बेदार के पिनार क्षेत्र के निवासी शामिल हैं। विस्थापितों के रहने के लिए अस्थायी राहत शिविर बनाए गए हैं, जिनमें से 74 लोगों को लुब्रिन थिएटर और 74 अन्य को गरुचा थिएटर में ठहराया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

महादेव ऐप केस में बड़ा खुलासा!....

तक पहुंचाई गई। एजेंसी ने बताया कि इस मामले में पहले ही सात प्रोविजनल अटैचमेंट ऑर्डर जारी किए जा चुके हैं। विशेष PMLA न्यायालय, रायपुर के समक्ष अभियोजन शिकायतें और पूरक शिकायतें भी दाखिल की जा चुकी हैं, जिन पर अदालत संज्ञान ले चुकी है। ईडी के अनुसार, इस ताजा कार्रवाई से पहले मामले में लगभग 2,825 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की जा चुकी थीं। अब 940.77 करोड़ रुपये की नई जब्ती के बाद महादेव ऐप केस में कुल अटैच की गई संपत्तियों का मूल्य करीब 3,800 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले समय में और भी अहम खुलासे और कार्रवाई हो सकती है।

महासमुंद में 17.93 करोड़ रुपये का धान....

अनुमान है। धान खरीदी की निगरानी के लिए नोडल और मॉनिटरिंग अधिकारी नियुक्त होते हैं। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में स्टॉक नहीं मिलने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। जिला विपणन अधिकारी ने करोड़ों रुपये मूल्य का धान स्टॉक में नहीं मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अब तक 15 सहकारी समितियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामले की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी गई है। 54 खरीदी केंद्रों पर धान का स्टॉक नहीं मिलने के बावजूद केवल 15 समितियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है। शेष 39 केंद्रों के संबंध में आगे की कार्रवाई पर प्रशासन ने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

दतिया उपचुनाव: भाजपा से आशुतोष तिवारी उम्मीदवार.....

मानकर चल रहे थे कि उन्हें ही टिकट मिलने वाला है। हालांकि यह टिकट मिलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं मानी जा रही थी, लेकिन मजबूत दावेदारी के रूप में इसे देखा जा रहा था।

0 अब कांग्रेस उम्मीदवार का इंतजार: भाजपा की ओर से उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद अब सभी की निगाह कांग्रेस पर टिक गई है। कांग्रेस की ओर से माना जा रहा है कि पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के परिवार से उनकी पत्नी या बेटे को मैदान में उतारा जा सकता है। इसके अलावा अन्य कांग्रेस नेता भी अपनी दावेदारी कर रहे हैं। संभवतः देर रात तक कांग्रेस भी अपने पत्ते खोल सकती है।

0 3 अगस्त को आएगा रिजल्ट: दतिया उपचुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 13 जुलाई 2026 (सोमवार) निर्धारित की गई है। इसके बाद 14 जुलाई 2026 (मंगलवार) को नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) होगी। वहीं, उम्मीदवार 16 जुलाई 2026 (गुरुवार) तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। मतदान 30 जुलाई 2026 (गुरुवार) को होगा, जबकि मतों की गणना 3 अगस्त 2026 (सोमवार) को होगी। पूरी चुनाव प्रक्रिया 4 अगस्त 2026 (मंगलवार) को पूरी कर ली जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट में हंगामा: वकील ने सीजेआई.....

के रूप में मानने को कहा था। हाईकोर्ट ने भी कहा था कि याचिकाकर्ता के पास वैकल्पिक कानूनी उपाय उपलब्ध हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप की कोई वजह नहीं पाई और याचिका खारिज कर दी।

0 बार एसोसिएशन ने मांगी सख्त कार्रवाई: घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट आर्ग्यूइंग काउंसिल एसोसिएशन ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, यूट्यूब चैनल और खुद को पत्रकार बताने वाले लोग कोर्टरूम की चुनिंदा क्लिप्स प्रसारित कर न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी उपलब्धि: नवा रायपुर के SEZ को भारत सरकार ने किया अधिसूचित

रायपुर। पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि, भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर (अटल नगर) स्थित मंदिर हसौद में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के विनिर्माण के लिए कंपनी के विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) को अधिसूचित कर दिया है।

SEZ के लिए कुल 10.13 हेक्टेयर भूमि

भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना एस.ओ. 3675(ई) के तहत प्लॉट संख्या 17/ए, 17/बी एवं 16/1ए सहित कुल 10.13 हेक्टेयर भूमि को इस विशेष आर्थिक क्षेत्र के रूप में अधिसूचित किया गया है। इससे पूर्व भारत सरकार ने 9 जून 2026 को इस एसईज़ेड के विकास, संचालन एवं रखरखाव के लिए कंपनी को लेटर ऑफ अप्रूवल प्रदान किया था।

इकोसिस्टम के विकास को मिलेगा बढ़ावा

यह अधिसूचना भारत में सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में पॉलीमेटेक की दीर्घकालिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रस्तावित सुविधा से निर्यात-उन्मुख विनिर्माण, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन तथा छत्तीसगढ़ से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स इकोसिस्टम के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

एसईज़ेड के लिए अनुमोदन समिति का गठन

अधिसूचना के तहत एसईज़ेड के लिए अनुमोदन समिति का भी गठन किया गया है। साथ ही, 6 जुलाई 2026 से इस एसईज़ेड को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत इनलैंड कंटेनर डिपो माना जाएगा। इससे सीमा शुल्क संबंधी प्रक्रियाओं, माल के आवागमन तथा निर्यात-उन्मुख गतिविधियों के लिए एक सुदृढ़ नियामकीय एवं लॉजिस्टिक ढांचा उपलब्ध होगा।

निर्माण यात्रा का महत्वपूर्ण अंग

इस अवसर पर पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एसवारा राव नंदम ने कहा, नवा रायपुर में पॉलीमेटेक के सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स एसईज़ेड की अधिसूचना हमारी विनिर्माण यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार के निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए उनके प्रति आभारी हैं। भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को कई मजबूत विनिर्माण केंद्रों की आवश्यकता है और पॉलीमेटेक भारत से एक सुदृढ़, विश्वसनीय तथा निर्यात-उन्मुख सेमीकंडक्टर एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण आधार विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कबाड़ की तरह पड़ा हुआ गरीबों का टिफिन : 10 साल से सरपंच सदन बना टिफिन का गोदाम, 5,860 गरीब मजदूरों का हक अब भी अधर में

खैरागढ़ (दावा)। गरीबों को शासन के व्दारा मुफ्त में बांटने आया टिफिन सरपंच सदन में सड रहा। मुख्यमंत्री मनरेगा मजदूर टिफिन वितरण योजना की तस्वीर सरकारी योजनाओं की सुस्ती की कहानी बयां कर रही है। वर्ष 2016-17 में मनरेगा के ऐसे परिवारों को टिफिन डिब्बा दिया जाना था। जिनके सदस्य ने 30 दिन या उससे अधिक रोजगार प्राप्त किया था। राज्य शासन से 15,220 टिफिन डिब्बे मिले। जिनमें 9,360 का वितरण हुआ। जबकि 5,860 टिफिन आज भी वितरण का इंतजार कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 चल रहा है, लेकिन लगभग दस साल बाद भी हजारों गरीब मजदूर अपने अधिकार से वंचित हैं।

सरपंच सदन बना कबाड़घर, प्रतिनिधियों को बैठने तक की जगह नहीं

जिन टिफिन डिब्बों को वर्षों से रखा गया है, वह स्थान सरपंच सदन है।। यह भवन पंचायत प्रतिनिधियों के बैठने, जनपद कार्य से आने वाले सरपंचों के रुकने और आवश्यक बैठकों के लिए बनाया गया था, लेकिन वर्षों से हजारों टिफिन डिब्बे इसी भवन में पड़े होने के कारण सरपंच सदन अपने मूल उद्देश्य से भटक गया है। जनपद आने वाले सरपंचों को बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं मिल पा रही है, जबकि उनका भवन वर्षों से सरकारी सामग्री का गोदाम बना हुआ है।

सरपंच संघ की बैठक में उठा मुद्दा, जल्द हटाने की बनी रणनीति

हाल ही में हुई सरपंच संघ की बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। कई सरपंचों ने कहा कि वर्षों से पड़े टिफिन डिब्बों को या तो पात्र हितग्राहियों में वितरित किया जाए अथवा नियमानुसार उनका निस्तारण कर सरपंच सदन को तत्काल खाली कराया जाए। बैठक में यह भी कहा गया कि पंचायत प्रतिनिधियों के लिए बने भवन को कबाड़घर बनाए रखना उचित नहीं है। इस संबंध में प्रशासन के समक्ष मांग रखने और आवश्यक पहल करने पर भी चर्चा हुई।

मार्गदर्शन के नाम पर बीत गया एक दशक

जनपद पंचायत के रिकॉर्ड के अनुसार वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव की आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण शेष टिफिन का वितरण नहीं हो सका। बाद में कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मार्गदर्शन मांगा गया, लेकिन वर्षों बाद भी कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया। नतीजा यह है कि एक दशक बीतने के बाद भी सामग्री गोदाम में पड़ी है और पात्र हितग्राही अपने अधिकार का इंतजार कर रहे हैं।

- शासन के महत्वाकांक्षी योजनाओ का उड़ रहा खिल्ली
- गरीबों को बांटने की बजाय सरपंच सदन में सड रहा टिफिन
- 2016-17 के हितग्राही, 2026-27 में भी इंतजार
- शासन की राशि का कैसे हो रहा बंदर बांट

गरीबों का हक आखिर कब मिलेगा, प्रशासन कब जागेगा?

जिला पंचायत के सदस्यों को भी इस पूरे मामले की जानकारी होने की बात कही जा रही है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी पहल सामने नहीं आई। सवाल यह है कि गरीब मजदूरों के लिए खरीदी गई सामग्री आखिर कब तक गोदाम में धूल खाती रहेगी। यदि पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ नहीं पहुंचा तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि गरीबों के अधिकारों की अनदेखी भी मानी जाएगी। अब जरूरत इस बात की है कि जिला प्रशासन पूरे मामले का संज्ञान लेकर वर्षों से लंबित टिफिन वितरण का निर्णय करे और सरपंच सदन को उसके वास्तविक उद्देश्य के लिए खाली कराए।

दो सरकारें बदलीं, लेकिन टिफिन वितरण आज भी अधूरा

वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता लागू होने से टिफिन वितरण की प्रक्रिया रुक गई। इसके बाद राज्य में सरकार बदलकर कांग्रेस की सरकार बनी और यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी। वर्ष 2023 के अंत में फिर भाजपा की सरकार बनने के बाद भी करीब दो वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन जनपद पंचायत खैरागढ़ में वर्षों से लंबित पड़े 5,860 टिफिन डिब्बों के वितरण को लेकर अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब सरकारें बदल गईं। अधिकारी भी बदलते रहे है। तब भी आखिर गरीब मनरेगा मजदूरों के लिए खरीदी गई सामग्री आज तक अपने वास्तविक हितग्राहियों तक क्यों नहीं पहुंच सकी। जनपद पंचायत खैरागढ़ के सीईओ हिमांशु गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2016-17 के टिफिन वितरण का मामला उनके खैरागढ़ जनपद पंचायत में आने से पहले का है। पूरे रिकॉर्ड की जांच और संबंधित अधिकारियों से जानकारी लेने के बाद ही वे इस मामले में विस्तृत जानकारी दे पाएंगे।

अधूरे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य की राशि वसूली हेतु सरपंच को नोटिस जारी

खैरागढ़ (दावा)। कार्यालय जनपद पंचायत खैरागढ़ से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर ग्राम पंचायत पांडादाह की तत्कालीन सरपंच श्रीमती मनोरमा यदु पति संजय यदु के विरुद्ध छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के तहत वसूली की कार्रवाई प्रारंभ की गई है।

पंचायत राज अधिनियम की धारा 92 के तहत प्रकरण दर्ज, अन्य बकायादार पंचायत पदाधिकारियों पर भी होगी कार्रवाई

प्राप्त जानकारी के अनुसार सामुदायिक भवन निर्माण कार्य हेतु विधायक निधि से प्रदान की गई 4 लाख रुपये की राशि के उपयोग एवं कार्य पूर्णता संबंधी जांच के बाद वसूली की कार्रवाई प्रस्तावित की गई। मांग पत्र जारी किए जाने पर श्रीमती मनोरमा यदु द्वारा निर्माण कार्य का मूल्यांकन कराए जाने का अनुरोध किया गया। जिसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत खैरागढ़ को कार्य का मूल्यांकन कराने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत खैरागढ़ द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन प्रतिवेदन के अनुसार 4 लाख रुपये की स्वीकृत राशि के विरुद्ध निर्माण कार्य का मूल्यांकन मात्र 1 लाख 25 हजार 930 रुपये पाया गया। इस प्रकार 2 लाख 74 हजार 70 रुपये की राशि वसूली योग्य पाई गई है। उक्त राशि को 15 जुलाई तक जमा करने हेतु श्रीमती मनोरमा यदु को मांग पत्र जारी किया गया है। निर्धारित तिथि तक राशि जमा नहीं किए जाने की स्थिति में छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92 की उपधारा (2) के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए अधिकतम 30 दिवस की अवधि के लिए सिविल जेल में परिरुद्ध किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खैरागढ़ अनुभाग अंतर्गत अन्य पंचायत पदाधिकारियों के विरुद्ध भी यदि जनपद पंचायत से बकाया राशि संबंधी प्रतिवेदन प्राप्त होता है, तो उनके विरुद्ध भी छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के तहत नियमानुसार वसूली एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सर्वसम्मति से श्रीकृष्ण गोशाला समिति का पुनर्गठन : सिद्ध गोपाल फिर अध्यक्ष, अजय बने कार्यकारी अध्यक्ष

डोंगरगढ़ (दावा)। श्रीकृष्ण गौशाला परिसर में गुरुवार 9 जुलाई की शाम को एक विशेष एवं महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। गोशाला समिति के अध्यक्ष सिद्धगोपाल नरेड़ी की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से वर्तमान कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए नई टीम की घोषणा की गई।

गौशाला परिसर में हुई विशेष बैठक में नई कार्यकारिणी घोषित; गौसेवा और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने का लिया संकल्प

बैठक का मुख्य उद्देश्य गोशाला के सुचारु संचालन, व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा गौसेवा से जुड़े प्रकल्पों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है। इस दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने नवगठित समिति को अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया।बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई। जो इस प्रकार हैं। जिसमें अध्यक्ष सिद्ध गोपाल नरेड़ी (पुनः निर्वाचित), कार्यकारी अध्यक्ष अजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल 'बब्लू' एवं आनंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विशाल अग्रवाल, मंत्री प्रणय अग्रवाल एवं सहमंत्री गोवर्धन अग्रवाल 'सायकल' है। पदाधिकारियों के साथ-साथ गोशाला के कार्यों को गति देने के लिए वरिष्ठ व युवा सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। कार्यकारिणी सदस्य में गौतम चोपड़ा, अभिषेक अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, नवदीप अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, गणेश नरेड़ी, अनुराग अग्रवाल एवं मनमोहन अग्रवाल को सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी सदस्यों ने नवगठित समिति का करतल ध्वनि से स्वागत व समर्थन किया। सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम अपने कार्यकाल के दौरान गौशाला के चहुंमुखी विकास, बेसहारा गायों की देखरेख तथा परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पित भाव से कार्य करेगी।

वृद्धाश्रम बछेराभाटा में रोमा जी ने मनाया जन्मदिन, बुजुर्गो को कराया भोजन

डोंगरगढ़ (दावा)। सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था वी क्लब मां बमलेश्वरी डोंगरगढ़ द्वारा सेवा भावना की एक अनूठी मिसाल पेश की गई है। क्लब की सक्रिय सदस्य रोमा जी ने अपना जन्मदिवस किसी तामझाम के बिना बछेराभाटा स्थित वृद्धाश्रम के बुजुर्गों के बीच सादगी से मनाया।

इस अवसर पर उन्होंने वृद्धजनों के साथ केक काटा और उनका आशीर्वाद लिया। इस खुशी के मौके पर वी क्लब के सदस्यों द्वारा आश्रम में रहने वाले सभी बुजुर्गों को आदरपूर्वक सुरुचिपूर्ण भोजन और नाश्ता कराया गया। इसके साथ ही क्लब की ओर से डॉ. आंबेडकर आवासीय शाला के बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें भी स्वल्पाहार (नाश्ता) वितरित किया गया। इस पुनीत सेवा कार्य में वी क्लब की पदाधिकारी और महिला सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिसमें वरिष्ठ पदाधिकारी माधुरी पंडा (वी क्लब फाउंडर मेंबर) एवं अनुराधा द्विवेदी (वी जिला पीआरओ), क्लब प्रबंधन से भावना सिंह (अध्यक्ष), नम्रता दम्मानी (सचिव) एवं ममता साहू (कोषाध्यक्ष), विशेष उपस्थिति क्लब के अन्य सभी सदस्य और अंचल के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वृद्धाश्रम के बुजुर्गों और आवासीय शाला के बच्चों ने क्लब की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए रोमा जी को दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

नहर निर्माण के वर्षों बाद भी नक्शे में सुधार नहीं, किसानों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

मुआवजा मिला पर कागजों में सुधार करना भूल गया प्रशासन विशेष अभियान चलाकर स्थायी निराकरण की मांग

खैरागढ़ (दावा)। जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के अंतर्गत गंडई तहसील के अनेक गांवों के किसानों को जल संसाधन और राजस्व विभाग के बीच आपसी समन्वय की कमी का खमियाजा भुगतना पड़ रहा है। अंचल के ग्राम पथर्रा, छिराहीडीह और बिरनपुरकला के किसानों को आ रही जमीनी विसंगतियों को लेकर कृषक प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की। प्रदेश किसान कांग्रेस के उपाध्यक्ष रणजीत सिंह चन्देल एवं शिवम श्याम सुंदर जंघेल के नेतृत्व में पहुंचे किसानों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर राजस्व अभिलेखों तथा सरकारी नक्शे में नहर सीमा का चिन्हांकन (नक्शा दुरुस्ती) तत्काल कराने की मांग की। कलेक्टर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पर शीघ्र उचित कार्रवाई करने का ठोस आश्वासन दिया है।

राजस्व और जल संसाधन विभाग के तालमेल की कमी से अन्नदाता परेशान, रणजीत सिंह चंदेल के नेतृत्व में की मुलाकात

सौंपे गए आवेदन में किसानों ने बताया कि बेमेतरा जल संसाधन विभाग एवं जल संसाधन उप संभाग साजा के अंतर्गत पत्थर्रा सुरही नदी पर डायवर्सन निर्मित है। इस डायवर्सन की दाईं ओर की मुख्य नहर गंडई तहसील के ग्राम पथर्रा, छिराहीडीह एवं बिरनपुरकला के खेतों से होकर गुजरती है। नहर निर्माण के समय विभाग द्वारा प्रभावित किसानों की जमीनों का विधिवत अधिग्रहण कर उन्हें मुआवजे का भुगतान भी बरसों पहले किया जा चुका है, लेकिन मुआवजा वितरण और नहर निर्माण को लंबा समय बीत जाने के बाद भी सरकारी नक्शों व राजस्व अभिलेखों में अब तक सुधार नहीं किया गया है। इसके चलते कागजों पर वह अधिग्रहित भूमि आज भी किसानों के नाम पर ही दर्ज दिख रही है, जबकि मौके पर वास्तविक रूप से नहर बह रही है।

रणजीत सिंह चन्देल ने कलेक्टर को बताया कि कागजी रिकॉर्ड दुरुस्त न होने के कारण क्षेत्र के किसानों को अपनी ही शेष बची हुई निजी कृषि भूमि पर निम्नलिखित दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें वास्तविक रकबा और कागजी रकबा अलग होने से बची हुई जमीन का सीमांकन नहीं हो पा रहा है। रिकॉर्ड में गड़बड़ी के चलते किसान अपनी ही भूमि का क्रय-विक्रय (बेच या खरीद) नहीं कर पा रहे हैं। बैंक से किसान क्रेडिट कार्ड ऋण प्राप्त करने में तकनीकी अड़चनें आ रही हैं। बंटाकन, नामांतरण और अन्य आवश्यक शासकीय व राजस्व कार्यों के लिए किसान भटकने को मजबूर हैं।

कृषक प्रतिनिधियों ने कलेक्टर से विनम्र आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित जल संसाधन विभाग और राजस्व अधिकारियों (एसडीएम व तहसीलदार) को तत्काल निर्देशित किया जाए। तीनों प्रभावित गांवों में विशेष संयुक्त टीम भेजकर अभियान के तहत राजस्व नक्शों और अभिलेखों में सुधार कराया जाए, ताकि किसानों को इस वर्षों पुरानी समस्या से स्थायी मुक्ति मिल सके। मुलाकात के दौरान रणजीत सिंह चंदेल, श्याम सुंदर जंघेल सहित अंचल के अनेक पीड़ित कृषक उपस्थित रहे।

खैरागढ़ में सूबेदार, सब इंस्पेक्टर एवं प्लाटून कमांडर प्रारंभिक परीक्षा 12 को

खैरागढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सूबेदार, सब इंस्पेक्टर एवं प्लाटून कमांडर भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 12 जुलाई को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में आयोजित की जाएगी। परीक्षा का आयोजन कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन में परीक्षा केंद्र क्रमांक 2901, रानी रश्मिदेवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ में किया जाएगा। नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर सुश्री रेणुका रात्रे ने बताया कि परीक्षा में कुल 360 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा एक ही पाली में प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की जाएगी।

360 परीक्षार्थी होंगे शामिल, सुबह 9:45 बजे बंद हो जाएगा परीक्षा केंद्र का प्रवेश द्वार

परीक्षा केंद्र का मुख्य प्रवेश द्वार परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व अर्थात सुबह 9:45 बजे बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद किसी भी परीक्षार्थी को केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र के साथ मूल पहचान पत्र जैसे मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, आधार कार्ड अथवा ई-आधार कार्ड अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। परीक्षा में उत्तर अंकित करने के लिए केवल काले अथवा नीले रंग के बॉल प्वाइंट पेन का उपयोग किया जाएगा।

आयोग के निर्देशानुसार परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले वस्त्र पहनकर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून तथा गहरे चॉकलेटी रंग के कपड़े, कार्गो पैंट एवं डिजाइनर परिधान पहनना प्रतिबंधित रहेगा। महिला अभ्यर्थियों के लिए भी पूर्ण बांह के वस्त्र तथा किसी प्रकार के आभूषण पहनकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश वर्जित रहेगा। अभ्यर्थियों को जूते अथवा मोटे सोल या ऊंची हील वाले फुटवियर पहनने की अनुमति नहीं होगी तथा केवल पतले सोल वाली चप्पलें अथवा स्लीपर पहनकर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा।

केंद्राध्यक्ष ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र पहुंचें। आयोग के नियमों के अनुसार मेटल डिटेक्टर एवं मैन्युअल तलाशी, मूल पहचान पत्र का सत्यापन तथा चेहरे का मिलान (फेस वेरिफिकेशन) किया जाएगा। साथ ही मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को परीक्षा केंद्र में लाने की अनुमति नहीं होगी। सभी परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र में उल्लिखित निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करने के लिए कहा गया है।

दिग्विजय कॉलेज में 200 से अधिक छात्र फेल, निष्पक्ष जांच के लिए एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। बीएससी केमेस्ट्री के प्रथम वर्ष कक्षाओं के 200 से अधिक विद्यार्थियों को एक साथ बैकलॉग (अनुत्तीर्ण/फेल) मिलने के मामले को बेहद गंभीर बताते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। एबीवीपी की नगर इकाई ने महाविद्यालय के प्राचार्य को एक ज्ञापन सौंपकर पूरे परीक्षा परिणाम और मूल्यांकन प्रक्रिया की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। एबीवीपी के नगर मंत्री अक्षत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में होनहार विद्यार्थियों को बैकलॉग मिलना कोई सामान्य घटना नहीं है। यह सीधे तौर पर परीक्षा परिणाम की पारदर्शिता और उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। इस अप्रत्याशित परिणाम से सैकड़ों विद्यार्थी भारी मानसिक तनाव और असमंजस की स्थिति में हैं। जिससे उनका शैक्षणिक भविष्य दांव पर लग गया है।

एक साथ इतने बड़े पैमाने पर बैकलॉग मिलने से मूल्यांकन पर उठे सवाल, मांगे पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

विद्यार्थी परिषद ने प्राचार्य के समक्ष रखीं ये 5 प्रमुख मांगें

एबीवीपी के जिला संयोजक धनंजय पांडे ने स्पष्ट किया कि छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परिषद ने ज्ञापन के जरिए कॉलेज प्रशासन के सामने ये प्रमुख शर्तें रखी हैं। जिसमें परिणाम में हुई इस सामूहिक गड़बड़ी के पूरे प्रकरण की एक स्वतंत्र और निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। प्रभावित सभी 200 से अधिक विद्यार्थियों की उत्तरपुस्तिकाओं का दोबारा पुनर्मूल्यांकन या पुनः सत्यापन कराया जाए। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक प्रभावित छात्र-छात्राओं को अगली कक्षा में बैठने या अन्य आवश्यक अंतरिम राहत दी जाए। जांच के दौरान यदि कोई भी तकनीकी सॉफ्टवेयर या प्रशासनिक त्रुटि पाई जाती है, तो तत्काल संशोधित परीक्षा परिणाम जारी किया जाए। भविष्य में ऐसी गंभीर विसंगति की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए दोषी अधिकारियों या प्रोफेसरों का उत्तरदायित्व तय कर सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

मांगें पूरी नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी

छात्र नेताओं ने कॉलेज प्रशासन को दो टूक चेतावनी दी है कि यदि इस गंभीर विषय पर त्वरित और पारदर्शी कार्रवाई करते हुए छात्रों को न्याय नहीं दिया गया, तो विद्यार्थी परिषद छात्रहित में लोकतांत्रिक तरीके से उग्र व चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

16 साल का इंतजार, 96 पेशियां और हाथ खाली : एसडीएम के अचानक तबादले से डोंगरगांव के किसानों में फूटा आक्रोश

13 जुलाई को अंतिम फैसला नहीं तो सपरिवार विधान कार्यालय के सामने आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होंगे पीड़ित किसान

डोंगरगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ में कमजोर वर्ग के किसानों को भू-माफियाओं और सूदखोरों के चंगुल से बचाने के लिए बने ऋण मुक्ति अधिनियम 1976 की डोंगरगांव अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) न्यायालय में धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही हैं। न्याय की आस में पिछले 16 वर्षों से भटक रहे पीड़ित किसानों का धैर्य अब पूरी तरह जवाब दे चुका है। पिछले 2 साल 9 महीनों में 96 पेशियां (सुनवाई) भुगतने के बाद भी जब किसानों को न्याय नहीं मिला, तो अब उन्होंने उग्र आंदोलन की अंतिम चेतावनी दे दी है।

न्यायालय के आदेशों को ठेंगा दिखा रहे अनावेदक

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित किसानों द्वारा छत्तीसगढ़ समाज के कमजोर वर्गों के कृषि-भूमिधारकों को उधार देने वालों के भूमि हड़पने संबंधी कुचक्रों से परित्राण तथा मुक्ति अधिनियम 1976 की धारा 5 सहपठित धारा 7 के तहत 12 सितंबर 2023 को भूमि वापसी हेतु याचिका दायर की गई थी। इस मामले में प्रकरण क्रमांक 202309091000034 सहित कुल 7 मामले दर्ज हैं। हैरानी की बात यह है कि करीब पौने तीन साल में इस मामले की 96 सुनवाई हो चुकी हैं और आवेदकों का प्रतिपरीक्षण भी पूरा हो चुका है। न्यायालय द्वारा अनावेदकगण को 11 मई और 25 मई 2026 को साक्ष्य प्रस्तुत करने के कड़े आदेश दिए गए थे, लेकिन अनावेदक पक्ष लगातार नियमों को ठेंगा दिखाते हुए 22 जून 2026 तक भी साक्ष्य प्रस्तुत करने नहीं पहुंचा, जो सीधे तौर पर राजस्व न्यायालय की अवहेलना है।

जांच प्रतिवेदन में जबरदस्ती जमीन रजिस्ट्री और ट्रैक्टर छीनने की पुष्टि

मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि तत्कालीन तहसीलदार छुरिया और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) डोंगरगांव द्वारा 29 अप्रैल 2014 को सौंपे गए संयुक्त प्रतिवेदन (ज्ञापन क्रमांक 3058) में यह स्पष्ट प्रमाणित पाया गया था कि सभी किसानों से उनकी इच्छा के विपरीत, डरा-धमकाकर और जोर-जबरदस्ती से जमीन की रजिस्ट्री कराई गई थी। किसानों से बलपूर्वक उनका ट्रैक्टर भी छीन लिया गया था। इस प्रतिवेदन में क्रेता (अनावेदक पक्ष) पर कठोर कानूनी कार्रवाई की अनुशंसा की गई थी, लेकिन एक दशक बाद भी कार्रवाई शून्य है।

तृतीय जिला न्यायाधीश राजनांदगांव ने व्यवहार अपील क्रमांक 7 ए/2020 में स्पष्ट निर्णय पारित किया था कि ऋण मुक्ति अधिनियम 1976 के तहत ऐसी फर्जी रजिस्ट्री को शून्य (निरस्त) करने का पूर्ण अधिकार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) या कलेक्टर महोदय को प्राप्त है। इस निर्णय को अनावेदक पक्ष द्वारा किसी भी उच्च न्यायालय में चुनौती नहीं दी गई है। जिससे यह आदेश अंतिम और सर्वमान्य हो चुका है। इसके बावजूद प्रशासन अंतिम निर्णय लेने में हिचकिचा रहा है।

अंतिम फैसले से ठीक पहले एसडीएम का तबादला, संदेह के घेरे में प्रशासन

बीती 6 जुलाई 2026 को हुई सुनवाई के दौरान तत्कालीन एसडीएम डोंगरगांव श्री श्रीकांत कोराम ने पीड़ित किसानों को आश्वस्त किया था कि आगामी सोमवार 13 जुलाई 2026 तक इस लंबित प्रकरण का अंतिम निराकरण कर दिया जाएगा। इस आश्वासन से किसानों में न्याय की उम्मीद जागी थी, लेकिन इसी बीच 8 जुलाई 2026 को कलेक्टर कार्यालय राजनांदगांव के एक अचानक जारी आदेश (पत्र क्रमांक स्था./13786/2026) के तहत एसडीएम श्रीकांत कोराम का स्थानांतरण जिला कार्यालय राजनांदगांव कर दिया गया। अंतिम फैसले से ठीक पहले हुए इस प्रशासनिक फेरबदल से किसानों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है और प्रशासनिक निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

किसानों का अल्टीमेटम : 13 जुलाई को आर-पार की लड़ाई

16 वर्षों से अपनी ही जमीन के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे पीड़ित किसानों ने अब कलेक्टर राजनांदगांव और अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दो टूक चेतावनी दी है। किसानों का कहना है कि यदि आगामी सुनवाई तिथि 13 जुलाई 2026 की शाम तक उनके पक्ष में अंतिम न्यायसंगत निर्णय पारित नहीं किया जाता है, तो समस्त पीड़ित किसान अपने परिजनों और बच्चों समेत विधान कार्यालय के सामने जाकर आमरण धरना व न्याय की गुहार लगाएंगे। इस दौरान यदि किसानों या उनके परिवार को कोई भी मानसिक, शारीरिक या जान-माल की क्षति होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

एक्शन में ट्रैफिक पुलिस : नो-पार्किंग और बेतरतीब वाहनों पर सख्त कार्रवाई, 2 दिनों में 143 गाड़ियों से वसूला जुर्माना

यातायात प्रभारी नवरतन कश्यप के नेतृत्व में चला विशेष अभियान, 59 हजार रुपये समन शुल्क वसूल, व्यापारियों और नागरिकों को दी समझाइश

राजनांदगांव (दावा)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने एक बड़ा और व्यापक अभियान छेड़ दिया है। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन में शुक्रवार को शहर के प्रमुख सर्विस रोड और व्यस्त बाजार क्षेत्रों में विशेष ट्रैफिक पॉइंट लगाए गए। इस दौरान नो-पार्किंग जोन और दुकानों के सामने बेतरतीब ढंग से गाड़ियां खड़ी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ताबड़तोड़ चालानी कार्रवाई की गई। जिससे वाहन धारियों में हड़कंप मच गया।

यातायात प्रभारी निरीक्षक नवरत्न कश्यप के नेतृत्व में चली इस मुस्तैद कार्रवाई के दौरान मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 143 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने दो दिनों के भीतर इन लापरवाह वाहन चालकों से कुल 59,000 रुपये (उनसठ हजार रुपये) का समन शुल्क (जुर्माना) वसूल किया है। कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस ने चालकों को सड़कों पर अनावश्यक वाहन न खड़ा करने और निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने की सख्त हिदायत दी।

व्यापारियों और नागरिकों के लिए गाईडलाईन

यातायात को सुगम बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के समस्त व्यापारियों और आम नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए निम्नलिखित निर्देश जारी किए हैं। सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के लिए माल की लोडिंग और अनलोडिंग केवल निर्धारित समय के अनुसार ही कराएं, ताकि व्यस्त समय में बाजार क्षेत्र में जाम की स्थिति निर्मित न हो। दुकानदार और नागरिक अपने व अपने ग्राहकों के वाहनों को सड़कों पर खींची गई व्हाइट पार्किंग पट्टी (निर्धारित पार्किंग क्षेत्र) के भीतर ही अनुशासित ढंग से खड़ा करवाएं। नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर आमजन के आवागमन के रास्ते बाधित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ट्रैफिक विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान किसी एक दिन के लिए नहीं है। शहर की सूरत बदलने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नो-पार्किंग ज़ोन में खड़े होने वाले वाहनों पर भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त, निरंतर और दंडात्मक कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे एक जिम्मेदार नागरिक की तरह यातायात नियमों का पालन कर प्रशासन का सहयोग करें।

खनिज विभाग की कार्रवाई : चूना पत्थर का अवैध परिवहन करते 2 हाईवा वाहन जप्त

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, भण्डारण एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खनिज विभाग की टीम द्वारा ग्राम करियाटोला, कोहका, मोहारा, ऑक्सीजोन, डुमरडीहकला, चवेली, सुकुलदैहान सहित अन्य क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर 2 हाईवा वाहनों को जप्त किया गया। इसके तहत योगेश देवांगन के स्वामित्व के हाईवा क्रमांक सीजी 08 एवी 7848 से वाहन चालक वाल्मिकी साहू एवं कन्हैया लाल अग्रवाल के स्वामित्व के हाईवा क्रमांक एमएच 35 एजे 9437 से वाहन चालक विजय लांजेवार द्वारा चूना पत्थर (गिट्टी) का अवैध परिवहन करने पर कार्रवाई करते हुए जप्त कर थाना सुकुलदैहान को सुपुर्द किया गया। प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए लगातार गस्त व निगरानी की जा रही है।

डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से नांदगांव को 90 लाख से अधिक के 20 विकास कार्यों की बड़ी सौगात

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत गांवों में बुनियादी सुविधाओं को मिलेगी नई रफ्तार, ग्रामीणों ने जताया आभार

रायपुर (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के सतत प्रयासों से राजनांदगांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को एक और बड़ी सौगात मिली है। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिले के लिए 72.29 लाख रुपये की लागत के 17 विभिन्न अधोसंरचना निर्माण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। स्वीकृत कार्यों में ग्राम ईरा में पुलिया निर्माण, मनकी में मुक्तिधाम निर्माण, फुलझर में अहाता निर्माण, डिलापहरी में शेड निर्माण, बरगा में गली कंक्रीटीकरण, सुरगी में शेड निर्माण एवं निर्मला घाट निर्माण, कुम्हालोरी और भंडारपुर में सी.सी. रोड निर्माण, आरला में सामुदायिक भवन निर्माण, कोटराभाठा में शेड निर्माण सहित कुल 17 विकास कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन को बेहतर आवागमन एवं सामाजिक अधोसंरचना का लाभ मिलेगा।

इसके साथ ही महात्मा गांधी नरेगा से अभिसरण के तहत पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राजनांदगांव जिले को 3 महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की भी स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसमें राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम टेडेसरा एवं डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम भैसरा में लगभग 18-18 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवनों का निर्माण और बेलगांव (वि.खं. डोंगरगढ़) में 14 लाख रुपये की लागत से उचित मूल्य की दुकान का निर्माण कराया जाएगा। इन सभी विकास कार्यों की स्वीकृति से राजनांदगांव जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा। स्थानीय स्तर पर जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी तथा ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी। इन विकास कार्यों की स्वीकृति पर राजनांदगांव वासियों ने विधानसभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव विधायक डॉ. रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर प्रयासों और प्रभावी पहल के परिणामस्वरूप जिले को लगातार विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में राजनांदगांव के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विकास का यह क्रम आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा जनता को मूलभूत सुविधाओं का लाभ तेजी से प्राप्त होगा।

विस अध्यक्ष डॉ. रमन आज व कल जिले के प्रवास पर

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 11 एवं 12 जुलाई को राजनांदगांव जिले के प्रवास पर रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 11 जुलाई को सुबह 10.30 बजे स्पीकर हाऊस शंकर नगर रायपुर से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे। विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 12.15 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बाटगांव पहुंचकर वृक्षारोपण एवं निःशुल्क पौधा वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 1.45 बजे ग्राम बाटगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 2.45 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे एवं समय आरक्षित रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष शाम 5.15 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर शाम 5.25 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम पहुंचकर प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष शाम 6.25 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम से कार द्वारा प्रस्थान कर शाम 6.35 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे एवं समय आरक्षित रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह 12 जुलाई को सुबह 11.50 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे मंडी परिसर राजनांदगांव पहुंचकर मंडी बोर्ड द्वारा स्वीकृत कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 1 बजे मंडी परिसर राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 1.10 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे एवं समय आरक्षित रहेगा। विधानसभा अध्यक्ष दोपहर 2.50 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा प्रस्थान कर दोपहर 3 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम पहुंचकर छत्तीसगढ़ श्री वैष्णव महासभा शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष शाम 4 बजे पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम से कार द्वारा प्रस्थान कर शाम 4.10 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव पहुंचेंगे एवं समय आरक्षित रहेंगा। विधानसभा अध्यक्ष शाम 4.30 बजे स्पीकर हाऊस राजनांदगांव से कार द्वारा स्पीकर हाऊस रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

धान रोपाई के दौरान दर्दनाक हादसा : बिजली विभाग की लापरवाही ने ली मजदूर की जान, दो गंभीर रूप से झुलसे

खैरागढ़ (दावा)। खैरागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलाकछार में शुक्रवार को धान की रोपाई के दौरान एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन का टूटा हुआ तार काल बन गया। जिसकी चपेट में आने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। इस हृदयविदारक घटना के बाद से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। वहीं विद्युत विभाग के खिलाफ ग्रामीणों का भारी आक्रोश फूट पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पिपलाकछार के एक खेत में मजदूर रोजाना की तरह धान का रोपा लगा रहे थे। इसी दौरान खेत में लगे बिजली के खंभे से टूटकर गिरा हुआ हाई वोल्टेज विद्युत तार काम कर रहे मजदूरों के संपर्क में आ गया। पानी से लबालब खेत में करंट फैलते ही चीख-पुकार मच गई। करंट की तीव्र चपेट में आने से धनसाय पटेल नामक मजदूर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं काम कर रहे अन्य श्रमिक चंपा साहू और सीमनदास साहू गंभीर रूप से झुलस गए। आनन-फानन में दोनों घायलों को सिविल अस्पताल खैरागढ़ ले जाया गया। जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

2 महीने पहले की थी शिकायत, विभाग सोता रहा

ग्रामीणों और परिजनों ने बिजली विभाग पर घोर लापरवाही और उदासीनता का सीधा आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त स्थान पर तार टूटने और लटकने की लिखित व मौखिक शिकायत दो महीने पहले ही विद्युत वितरण केंद्र में दी जा चुकी थी। लेकिन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते विभाग जाग जाता और मरम्मत कर दी जाती, तो आज एक बेकसूर मजदूर की जान नहीं जाती।

हादसे की खबर फैलते ही मृतक के परिजनों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित ग्रामीण सीधे विद्युत वितरण केंद्र पहुंच गए और दफ्तर का घेराव कर दिया। ग्रामीण दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ तत्काल निलंबन व कड़ी कानूनी कार्रवाई, मृतक के पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा तथा घायलों के संपूर्ण मुफ्त व समुचित इलाज की मांग को लेकर अड़ गए। प्रशासनिक स्तर पर स्थिति बिगड़ती देख खैरागढ़ थाना प्रभारी (टीआई) अनिल शर्मा अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आक्रोशित जनसमूह को उचित कानूनी कार्रवाई और न्याय का भरोसा दिलाकर शांत कराया। जिसके बाद हालात नियंत्रण में आए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीण दोषियों को जेल भेजने की मांग पर अड़े हुए हैं।

पेयजल व्यवस्था सुधारने मैदान में उतरे महापौर और आयुक्त : मोहारा जल संयंत्रगृह का लिया जायजा

विपक्षी आरोपों के बीच प्लांट पहुंचे महापौर मधुसूदन यादव व आयुक्त मरकाम, पानी में जांची क्लोरीन की मात्रा, फिटकरी व ब्लीचिंग का पर्याप्त भंडारण रखने के निर्देश

राजनांदगांव (दावा)। शहर में गंदे पानी की आपूर्ति को लेकर विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों के बाद महापौर मधुसूदन यादव और नवागत निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम ने तत्काल एक्शन लेते हुए मोहारा जल संयंत्रगृह (फिल्टर प्लांट) का संयुक्त औचक निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर और आयुक्त ने मोहारा स्थित 10, 17 एवं 27 एमएलडी क्षमता के तीनों प्लांटों का बारीकी से मुआयना किया और पूरी जल शोधन प्रक्रिया देखी। निरीक्षण के दौरान जल विभाग के प्रभारी सदस्य सुनील साहू व शिक्षा विभाग के प्रभारी सदस्य आलोक श्रोती विशेष रूप से उपस्थित रहे।

महापौर ने खुद कराई क्लोरीन की जांच, दिए सख्त निर्देश

महापौर श्री यादव ने तीनों प्लांटों का क्रमशः निरीक्षण कर मौके पर ही पानी में क्लोरीन की मात्रा की लाइव जांच कराई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षाऋतु के दौरान नदी में आने वाले मटमैले पानी को देखते हुए एलम (फिटकरी), ब्लीचिंग पाउडर तथा क्लोरीन गैस जैसी आवश्यक जल-शोधन सामग्रियों का पर्याप्त अग्रिम भंडारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बारिश से बाढ़ की स्थिति निर्मित होने की आशंका रहती है। इसे ध्यान में रखकर आपातकालीन व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं ताकि किसी भी स्थिति में शहर की पेयजल सप्लाई प्रभावित न हो। साथ ही, पंपिंग स्टेशनों पर अतिरिक्त मोटरों की व्यवस्था रखने और कर्मचारियों की तीनों पालियों (शिफ्टों) में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शुरुआती बारिश और बाढ़ से फिल्टर बेड में आई थी समस्या : ईई

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता (संविदा) यू.के. रामटेके ने महापौर और आयुक्त को पिछले दिनों हुई जलापूर्ति में आंशिक खराबी का कारण स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि शुरुआती भारी बारिश के कारण शिवनाथ नदी में अत्यधिक मटमैला और गाद युक्त पानी आ गया था। इस वजह से फिल्टर बेड के ब्लॉकेज में समस्या आई थी। जिसके कारण दो दिन आंशिक रूप से मटमैला पानी सप्लाई हुआ। अब फिल्टर बेड को पूरी तरह से दुरुस्त (साफ) कर लिया गया है और वर्तमान में प्लांट में फिटकरी व अन्य दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

कठिन प्रक्रिया से होकर गुजरता है पानी, अपव्यय रोकें नागरिक : आयुक्त

नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम ने शिवनाथ नदी के इंटकवेल से लेकर उपभोक्ताओं के घरों तक पानी पहुंचने की पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया को समझा। प्रभारी अधिकारी श्री रामटेके ने बताया कि नदी से रॉ-वाटर लेकर प्रतिदिन 54 मिलियन लीटर पानी को तीनों प्लांटों के फिल्टर बेड से गुजारा जाता है। तरल और ठोस पदार्थों को अलग करने के बाद इसमें तय मात्रा में फिटकरी व क्लोरीन डालकर इसे पूरी तरह कीटाणुरहित किया जाता है। इसके बाद यह शुद्ध पानी शहर की 14 पानी टंकियों में भेजा जाता है। आयुक्त ने फिल्टर प्लांट की अत्याधुनिक लैब का भी निरीक्षण किया और पानी की शुद्धता जांचने वाले विभिन्न टेस्ट्स की रिपोर्ट देखी। शुद्धिकरण की पूरी प्रक्रिया को देखने के बाद नए आयुक्त ने कहा कि जनता तक शुद्ध पानी पहुंचाना एक बेहद कठिन और जिम्मेदारी भरी प्रक्रिया है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे वार्डवासियों को पानी का महत्व समझाने और पानी का अपव्यय (बर्बादी) रोकने के लिए जागरूक करें। साथ ही उन्होंने पूरे प्लांट परिसर में उच्च स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता दीपक खाण्डे, प्रभारी सहायक अभियंता श्रीमती गरिमा वर्मा सहित जल विभाग के अन्य अधिकारी व तकनीकी कर्मचारी उपस्थित थे।

(हेमंत साहू) 98271-56852
94241-15737
शिव बोरवेल्स एवं प्रापर्टी डिलिंग
• हर तरह की बोरिंग कार्य हेतु संपर्क करें
• सभी प्रकार के सबमर्सिबल पंप के विक्रेता
• पाईप फिटिंग एवं सेनेटरी की सुविधा
नंदई, कुआं चौक राजनांदगांव (छ.ग.)

नीलू शर्मा के जनता दरबार को मिल रहा भारी रिस्पॉन्स : समस्याओं के झटपट निदान से उमड़ रही भीड़

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी नगरी में पर्यटन मंडल अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त) नीलू शर्मा द्वारा शुरू किए गए जनता दरबार को आम जनता का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है।

गौरव पथ रोड स्थित उनके कार्यालय में हर गुरुवार और शुक्रवार को सुबह 11 से शाम 5 बजे तक आयोजित होने वाली इस जनसुनवाई में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचने वाले लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। त्वरित निराकरण और संवेदनशील पहल के कारण लोगों के बीच इसका बेहद सकारात्मक संदेश जा रहा है।

जनता दरबार में रोजाना औसतन 50 से 100 लोग अपनी फरियाद लेकर पहुंच रहे हैं। फरियादी मुख्य रूप से कृषि कार्य व खाद की उपलब्धता, बच्चों के स्कूलों में एडमिशन और अस्पतालों में उचित इलाज, विभिन्न विकास कार्यों और अपनी निजी परेशानियां है। यहां तक कि व्यापारिक वर्ग के लोग भी अपने व्यावसायिक मुद्दों के निराकरण के लिए नंबर लगाकर गुहार लगाते देखे जा रहे हैं। श्री नीलू शर्मा खुद एक-एक फरियादी की समस्या को बेहद ध्यान से सुन रहे हैं और मौके पर ही संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को फोन व लिखित निर्देश देकर त्वरित निदान सुनिश्चित कर रहे हैं।

पर्यटन मंडल अध्यक्ष के पीए पुष्पेंद्र साहू ने बताया कि पिछले 4 हफ्तों से न्यू सर्किट हाउस के सामने, वार्ड क्रमांक 43 स्थित पर्यटक सूचना केंद्र (गौरव पथ) में यह जनदर्शन सुचारू रूप से चल रहा है। इस जनसुनवाई की गूंज इतनी प्रभावी है कि अब केवल राजनांदगांव जिला ही नहीं, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों और पड़ोसी राज्यों से भी लोग अपनी समस्याएं व सुझाव लेकर पहुंच रहे हैं। हालिया जनदर्शन के दौरान पश्चिम बंगाल से आए एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे सौजन्य भेंट की। इसके अलावा स्थानीय सिंधी समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी मांगों को लेकर चर्चा की।

किसानों की समस्याओं पर विशेष ध्यान, जनता की सेवा ही प्राथमिकता

जनदर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे अंचल के किसानों ने खाद की किल्लत और कृषि संबंधी अन्य आवश्यकताओं को लेकर अपनी परेशानियां रखीं। जिस पर श्री शर्मा ने तत्काल कृषि विभाग के अफसरों से समन्वय कर राहत दिलाने का भरोसा दिलाया। नीलू शर्मा ने कहा कि आम जनता तक सीधे पहुंचकर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना ही मेरी सबसे पहली प्राथमिकता है। इस जनदर्शन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को सीधे शासन-प्रशासन से जोड़ना, शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना तथा जनहित के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. – 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com